राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 06 फरवरी 2024 वर्ष-7,अंक-14 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शासन प्रणाली को नागरिक केंद्रित, कुशल और पारदर्शी बनाना जरूरी - राष्ट्रपति

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि सरकारी विभागों के लिए शासन प्रणाली को नागरिक केंद्रित, कुशल और पारदर्शी बनाना जरूरी है। अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि वे ऐसे समय में सरकारी सेवा में शामिल हुए हैं जब देश डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

मुर्मू ने कहा, ''जनता के बीच पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के साथ-साथ सेवा वितरण में अधिक दक्षता की अपेक्षा बढ़ रही है। इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकारी विभागों द्वारा प्रौद्योगिकी का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करना और शासन प्रणाली को नागरिक-केंद्रित, कुशल व पारदर्शी बनाना अनिवार्य है। भारतीय सिविल लेखा सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा और भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा के इन अधिकारियों ने मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की।

उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, पीएफएमएस (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली) के माध्यम से धन की वास्तविक समय की निगरानी, ई-बिल की शुरूआत और वित्तीय नियमों एवं प्रक्रियाओं के अद्यतनीकरण और सरलीकरण जैसे दूरदर्शी कदमों ने सरकार के कुशल कामकाज को बढ़ावा दिया है। राष्ट्रपति ने कहा, ''आपका काम न केवल वित्तीय संसाधनों की उपयोगिता को अधिकतम करने तक सीमित है, बल्कि इसमें नीतिगत बदलावों के प्रभाव का विश्लेषण करना और वित्तीय प्रबंधन प्रणालियों सहित शासन की विभिन्न प्रणालियों में सुधार के लिए सुधारों का प्रस्ताव देना भी शामिल है। उन्होंने सुझाव दिया, आपके प्रयास नवीनतम तकनीक का उपयोग करने और हमारे लेखांकन और लेखा परीक्षा प्रणालियों को निर्बाध बनाने के लिए तंत्र विकसित करने के होने चाहिए। मुर्मू ने कहा कि एक अच्छी सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली सुशासन का आधार है।

पहला कॉलम

राहुल गांधी ने हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन से की मुलाकात, कहा-

हम सभी एकजुट होकर जारी रखेंगे न्याय की लड़ाई

रांची । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन से मुलाकात की। कांग्रेस ने एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि हम सभी एकजुट होकर न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे, जनता की आवाज बुलंद करेंगे। नफरत हारेगी और इंडिया जीतेगा। राहुल गांधी और कल्पना सोरेन दोनों की मुलाकात हेमंत सोरेन के आवास पर हुई है। फ्लोर टेस्ट में सफलता के बाद कांग्रेस ने कहा, झारखंड ने तानाशाह के घमंड को तोड़ दिया। इंडिया की जीत हुई, जनता की जीत हुई। इंडिया गठबंधन की सरकार ने आज विधानसभा में विश्वासमत पास कर लिया है। आप सबको बहुत बधाई। जय जोहार। बता दें कि झारखंड की चंपई सोरेन सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। विश्वास मत प्रस्ताव के पक्ष में 47 वोट प्राप्त हुए, जबकि विरोध में 29 मत मिले। सत्तारूढ़ गठबंधन के जिन तीन विधायकों सीता सोरेन, लोबिन हेंब्रम और चमरा लिंडा को नाराज बताया जा रहा था, उन्होंने भी सरकार के पक्ष में वोट किया।

दिल्ली के हज यात्रियों के लिए विशेष मेडिकल जांच शिविर की व्यवस्था

नई दिल्ली । दिल्ली हज कमेटी ने हज यात्रा 2024 पर जाने वाले हज यात्रियों के लिए विशेष मेडिकल जांच शिविर की व्यवस्था की है। हज यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए यह मेडिकल जांच शिविर लगाया गया है। दिल्ली हज कमेटी की अध्यक्ष कौसर जहां ने एनडीटीवी से बात करते हुए बताया कि दिल्ली के किसी भी हज यात्री को अब अस्पतालों में लंबी-लंबी लाइनों में लगकर और महंगी दरों पर अपनी जांच करवाने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, हज यात्री दिल्ली हज कमेटी के कार्यालय में आकर एक ही छत के नीचे अपनी जांच करवा सकते और यहां उपस्थित दिल्ली सरकार के डॉक्टरों की टीम से अपना मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर सकते हैं। दिल्ली हज कमेटी ने पहली बार इस तरह का मेडिकल जांच शिविर लगाया है, जिसमें हज यात्रियों के लिए 500 रुपये में छह तरह की जांच उपलबे ध कराई जा रही है। यहां पर हज यात्री सीबीसी, केएफटी, ब्लड शुगर, चेस्ट एक्सरे और ईसीजी जैसी जांचें सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक करा सकते हैं।

हेट स्पीच देने वाला धर्मगुरु गिरफ्तार

मुंबई । भडक़ाऊ भाषण केस में आरोपी मुफ्ती सलमान अजहरी को रविवार को गुजरात एटीएस दो दिन के ट्रांजिट रिमांड पर जूनागढ़ ले गई। मौलाना पर 31 जनवरी को जूनागढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान भडक़ाऊ भाषण देने के आरोप में हिन्दू संगठनों ने केस दर्ज करवाया था। गुजरात एटीएस ने मुंबई की एक अदालत में मुफ्ती सलमान अजहरी की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने रविवार शाम को दो दिन की ट्रांजिट रिमांड मंजूर कर ली। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए उसे घाटकोपर पुलिस थाने लाया गया था।

15 फरवरी से शुरू होगी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 5 फरवरी को सीबीएसई कक्षा 10, 12 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। हॉल टिकट निजी उम्मीदवारों के लिए जारी किया गया है और छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। सीबीएसई कक्षा 10, 12 की परीक्षा 15 फरवरी से 2 अप्रैल, 2024 तक आयोजित होने वाली है। सीबीएसई कक्षा 10, 12 एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए, निजी छात्रों को आधिकारिक पर जाना होगा और आवश्यक क्रेडेंशियल के रूप में पंजीकरण संख्या या रोल नंबर और जन्म तिथि जैसे लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करना होगा। उसके बाद सीबीएसई कक्षा 10, 12 हॉल टिकट 2024 डाउनलोड के लिए स्क्रीन पर दिखाई देगा। एक बार हो जाने के बाद, एडमिट कार्ड पीडीएफ को सेव करें और परीक्षा के दिन ले जाने के लिए इसकी एक हार्ड कॉपी लें। वहीं, इस वर्ष बोर्ड ने अकाउंटेंसी विषय में प्रदान की जाने वाली उत्तर पुस्तिकाओं को खत्म करने का निर्णय लिया है। सीबीएसई ने छात्रों को कोई समग्र डिवीजन, डिस्टिंक्शन या एग्रीगेट पुरस्कार नहीं देने का भी निर्णय लिया है। बोर्ड ने पिछली बार भी टॉपर लिस्ट नहीं जारी की थी।

लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने जारी की सख्त गाइडलाइन

न रैलियों में, न पोस्टर में... चुनाव प्रचार में नहीं दिखेंगे बच्चे

एडवाइजरी में कहा- रैली से दूर रखें, न गोद में उठाएं और न गाड़ी में बैठाएं

नई दिल्ली।

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को चुनाव आयोग ने चुनाव प्रचार में बच्चों और नाबालिग को शामिल न करने की हिदायत दी है। आयोग ने सख्य निर्देश जारी किए हैं और कहा है कि आम चुनाव में प्रचार के पर्चे बांटते हुए, पोस्टर चिपकाते हुए, नारे लगाते हुए या पार्टी के झंडे बैनर लेकर चलते हुए बच्चे या नाबालिग नहीं दिखने चाहिए।। आयोग ने कहा कि राजनीतिक नेता और उम्मीदवार प्रचार के दौरान बच्चों को गोद में लेने और गाडिय़ों में में न बैठाएं, न उनको रैली में शामिल करें।

चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव संबंधी कार्यों या चुनाव अभियान गतिविधियों में बच्चों को शामिल करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस गाइडलाइन में किसी भी तरीके से बच्चों का राजनीतिक अभियान में शामिल करना, जिसमें कविता पाठ करना, गीत, नारे या बच्चों के द्वारा बोले गए शब्द या फिर उनके द्वारा किसी भी राजनीतिक पार्टी या उम्मीदवार के प्रतीक चिन्हों का प्रदर्शन करना शामिल है। चुनाव अभियान संबंधी गतिविधियों में बच्चों को शामिल करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

कविता पढ़वाने और भाषण पर भी रोक

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि यह प्रतिबंध कविता, गाने, बोले गए शब्दों, राजनीतिक दल या उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह के इस्तेमाल के अलावा किसी भी तरीके से राजनीतिक अभियान की झलक बनाने के लिए बच्चों के उपयोग पर भी लागू होगा। हालांकि, किसी बच्चे के माता-पिता या अभिभावक राजनेता के करीबी हैं और वे अपने साथ बच्चे को ले जाते हैं तो इसे दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा, बशर्ते वे उनकी पार्टी के चुनाव प्रचार में शामिल न हों। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने राजनीतिक दलों से संसदीय चुनावों में लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में की भी अपील की है।

गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

आयोग ने कहा कि अगर कोई भी दल अपने चुनाव प्रयास में बच्चों को शामिल करते हुए पाया गया तो बाल श्रम से संबंधित सभी अधिनियम, कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी को कार्रवाई करने के जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, किसी राजनीतिक नेता के आसपास अपने माता-पिता या अभिभावक के साथ एक बच्चे की मौजूदगी को चुनाव प्रचार गतिविधि में शामिल नहीं किया गया है और न ही इस गाइडलाइन का उल्लंघन माना जाएगा। आयोग ने बच्चों से प्रचार कराने पर पकड़े जाने पर कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को बाल श्रम (निषेध और विनियमन) द्वारा संशोधित बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

राजनीतिक दल न दें अनुमति

आयोग ने अपनी गाइडलाइन में बॉम्बे हाईकोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संशोधित अधिनियम, 2016 का सभी राजनीतिक दलों को बच्चों को चुनाव प्रचार शामिल न करना सुनिश्चित करें और दल अपने उम्मीदवारों को इसकी अनुमति न दें।

माता पिता के साथ बच्चे की उपस्थित पर दिक्कत नहीं

आयोग ने बच्चों को लेकर जिन अन्य एक्टिविटीज पर रोक लगाई है उसमें कविता, गीत, बोलचाल के माध्यम से किसी भी तरीके से राजनीतिक अभियान चलाना, राजनीतिक दल, उम्मीदवार के प्रतीक चिन्ह का प्रदर्शन, विचारधारा का प्रदर्शन शब्दों के माध्यम से कराना या आलोचना कराना भी शामिल है। हालांकि आयोग ने कहा है कि अपने माता-पिता के साथ एक बच्चे की उपस्थिति मात्र या किसी राजनीतिक नेता के निकट अभिभावक और जो किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं है उसके द्वारा चुनाव प्रचार गतिविधियों को दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

कानूनी कार्यवाही की भी चेतावनी

आयोग ने यह भी कहा है कि इस दिशा निर्देशों का पालन नहीं किए जाने पर कानूनी कार्यवाही उम्मीदवार या राजनीतिक दल के विरुद्ध की जा सकेगी।

सभी राजनीतिक दलों को स्पष्ट किया जाता है कि बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) का कड़ाई से पालन करें। बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम 1986 द्वारा भी इसको लेकर स्थिति साफ की गई है। साथ ही निर्देशों में मुंबई उच्च न्यायालय ने के 4 अगस्त 2014 में जनहित याचिका सं 2012 का 127 (चेतन रामलाल भुटाड़ा बनाम महाराष्ट्र राज्य और अन्य) का जिक्र भी किया गया है जिसमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था कि राजनीतिक दल चुनाव संबंधी किसी भी गतिविधि में नाबालिग बच्चों की भागीदारी अनुमति न दें।

अफसर भी एक्शन के दायरे में

आयोग ने सभी चुनाव अधिकारियों और मशीनरी को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि चुनाव संबंधी कार्य के दौरान किसी भी गतिविधि में बच्चों को शामिल करने से बचें। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी व्यक्तिगत इस तरह के मामलों में प्रासंगिक कार्रवाई और बाल श्रम कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी खुद वहन करेंगे। उनके अधीनस्थ क्षेत्राधिकार में चुनाव मशीनरी द्वारा इन प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

पुरी दुनिया को भारत की जरूरत

मोहन भागवत ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को बताया साहसिक कार्य

मुंबई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को एक साहसी कार्य बताया है। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्य केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही हो पाया है। महाराष्ट्र में पुणे जिले के आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में अपने संबोधन के दौरान भागवत ने कहा कि भारत को अपने कर्तव्य के लिए उठना होगा। अगर यह किसी भी कार से समर्थ नहीं हुआ तो जल्द ही पूरे विश्व को विनाश का सामना करना पड़ सकता है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा साहस भरा काम

मोहन भागवत ने बताया कि रामलला 22 जनवरी को पहुंचे। लंबे संघर्ष के बाद यह एक साहस भरा काम था। उन्होंने कहा, आज की पीढ़ी के लिए यह सौभाग्य है कि उन्हें रामलला को अपने स्थान पर देखने का मौका मिला। यह केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही सफल हो पाया है। भागवत ने बताया कि उन्हें भी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का मौका मिला।

पूरी दुनिया को भारत की जरूरत

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतवर्ष को ऊपर उठना होगा, क्योंकि पूरी दुनिया को भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर किसी कारण से भारत नहीं उठ पाया तो पूरी धरती को विनाश का सामना करना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति बनी हुई है, जिससे बारे में दुनियाभर के बुद्धिजीवी जानते हैं। उन्होंने इस पर बात भी की है। बता दें कि गीता भक्ति अमृत महोत्सव गीता परिवार द्वारा आयोजित किया गया है। यह गोविंद देव गिरिजी महाराज की 75वीं जयंती का एक भव्य उत्सव है।

मोदी सरकार ने राज्यसभा में पेश किए संशोधन विधेयक सहित तीन विधेयक

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने सोमवार को राज्यसभा में जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) संशोधन विधेयक सहित तीन विधेयक पेश किए। जिसमें कुछ अपराधों में जेल की सजा के प्रावधान को हटाकर उनके स्थान पर अर्थदण्ड का प्रस्ताव किया गया है। दो अन्य विधेयक संविधान संशोधन विधेयक हैं जो आंध्र प्रदेश एवं ओड़िशा से संबंधित हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक के 1974 के मूल कानून में संशोधन का प्रस्ताव है। सदन में सोमवार को जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने दो संविधान संशोधन विधेयक पेश किए। उनके द्वारा पेश किए गए संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक 2024 में आंध्र प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों की सूची में संशोधन का प्रस्ताव है। इसमें आंध्र प्रदेश की अनुसूचित जनजातियों की सूची में कुछ नई जातियों को जोड़ने का प्रावधान है। केंद्रीय मंत्री मुंडा ने संविधान (अनुसूचित जाति एवं जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक 2024 भी पेश किया। उनके द्वारा पेश किए गए इस विधेयक में ओड़िशा में अनुसूचित जाति एवं जनजातियों की सूची में संशोधन का प्रस्ताव है। इसमें ओड़िशा की अनुसूचित जाति जनजातियों की सूचियों में कुछ नयी जातियों को जोड़ने का प्रावधान है।

उत्तरप्रदेश विधानसभा में वित्त वर्ष 2024—25 के लिये 7.36 लाख करोड़ रुपये का राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2024–25 के लिये 7.36 लाख करोड़ रुपये का राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया। मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे के विकास, महिलाओं, युवाओं और किसानों के कल्याण पर केंद्रित इस बजट में छात्रों को टैबलेट/स्मार्ट फोन के वितरण के लिए 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही महाकुंभ 2025 के आयोजन के लिए 2,600 करोड़ और अयोध्या हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 150 करोड़ रुपये का भी प्रस्ताव किया गया है।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा पेश किये गये बजट में कृषि से जुड़ी तीन नई योजनाओं के लिए 460 करोड़ रुपये का प्रावधान करते हुए कृषि क्षेत्र के लिए 5.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का लक्ष्य रखा गया है। किसानों के निजी नलकूपों को रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए 2,400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि चालू वित्त वर्ष में उपलब्ध कराए गए बजट से 25 प्रतिशत अधिक है।

सरकार ने बजट में सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और उसे आगे बढ़ाने पर खास जोर दिया है। सरकार ने नगर विकास विभाग के बजट में अगले साल होने वाले महाकुंभ के लिये 2,500 करोड़ रुपये और संस्कृति विभाग के मद में 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की है।

साथ ही अयोध्या के सर्वांगीण विकास के लिये 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। धर्मार्थ मार्गों के विकास के लिये 1,750 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के लिये बजट में 10 करोड़ रूपये का प्रस्ताव किया गया है। अयोध्या में 'महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम की स्थापना एवं विस्तार के लिये 150 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। श्रृंगवेरपुर में निषाद राज गुहा सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना के लिये बजट में 14.68 करोड़ रुपये, आजमगढ़ के हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय की स्थापना के लिये 11.79 करोड़ रुपये तथा महर्षि वाल्मीकि सांस्कृतिक केन्द्र चित्रकूट की स्थापना के लिये 10.53 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

टूटे न जीवन की डोर

जब 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम में देश के करोड़ों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों से दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम व वर्चुअल संवाद के जरिये प्रधानमंत्री परीक्षा भय से मुक्त होने की बात कर रहे थे, देश के कई भागों से छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें आ रही थीं। जाहिर है अभिभावक व शिक्षक इन बच्चों के मानसिक द्वंद्व व वास्तविक दिक्कतों को नहीं समझ पा रहे हैं, जिसके चलते इन बच्चों को मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प नजर आ रहा है। निश्चित रूप से परीक्षा का भय इस कदर बच्चों पर हावी है कि उन्हें लगने लगता है कि परीक्षा में असफलता के बाद जीवन में कुछ शेष नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री ने इस संबोधन में इन तमाम चुनौतियों को संबोधित किया। उन्होंने गहरी बात कही कि- 'बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं।' यह एक हकीकत है कि अपने जीवन में शैक्षिक व रोजगारपरक लक्ष्यों को हासिल न कर पाने वाले अभिभावक अपने बच्चों से आईएएस, डॉक्टर व इंजीनियर बनने की उम्मीद पाल बैठते हैं। जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए यह नहीं सोचते कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं और हमारी उम्मीदों का बोझ वे किस सीमा तक बर्दाश्त कर पाएंगे। संगरूर में मेरिटोरियस स्कूल के हॉस्टल से एक छात्र के पिता को फोन जाता है कि तुम्हारे बच्चे के नंबर कम आए हैं। उसे हॉस्टल से निकाल दिया जाएगा। इसके तीन घंटे बाद खबर आई कि छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। यहां इस फोन करने वाले शिक्षक की जवाबदेही तय की जानी चाहिए कि उसने ऐसा संवेदनहीन व्यवहार क्यों किया। क्या नंबर कम आने के लिये छात्र को हॉस्टल से निकाल देना समस्या का समाधान है? यह दबाव अभिभावकों पर बना तो छात्र तनाव में आ गया। क्या उन कारणों की पड़ताल नहीं की जानी चाहिए थी जिसकी वजह से छात्र के नंबर कम आए? नये दौर में संक्रमणकाल से गुजर रहे छात्रों को समझने में क्या शिक्षक जिम्मेदार भूमिका निभा रहे हैं? वहीं दूसरी ओर कोचिंग बाजार का गढ़ बन चुके कोटा में छात्रों की आत्महत्या का सिलसिला थम नहीं रहा है। कोटा से फिर एक संभावना के अस्त होने की खबर आ रही है। वहां से बुरी खबर आई कि सोमवार को जेईई व नीट परीक्षा की तैयारी कर रही 18 साल की निहारिका ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले लिखे पत्र में उसने लिखा- 'मम्मी-पापा, मैं जेईई नहीं कर सकती, इसलिए सुसाइड कर रही हूं। आई एम लूजर, यही लास्ट ऑप्शन है।' जाहिर है बच्ची इतनी भयाक्रांत थी कि परीक्षा से पहले ही आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। जाहिर है इस फैसले में परिवार की उम्मीदों का बोझ ही शामिल होगा, जिसके चलते परीक्षा की विफलता को उसने जीवन का अंत मान लिया। आखिर क्यों मां-बाप बच्चों के साथ ऐसा सहज संवाद नहीं बना पाते कि इस आत्मघाती फैसले से पहले वह किसी तरह का विमर्श उनके साथ कर सके? क्यों हम बच्चों के सामने ऐसे हालात पैदा कर देते हैं कि उन्हें लगता है कि परीक्षा में उत्तीर्ण न हुए तो जीवन ही खत्म हो जाएगा? प्रश्न यह भी है कि उम्मीदों का कब्रगाह बनते कोटा भेजने से पहले क्या अभिभावकों ने सोचा है कि क्या जेईई में निकलना निहारिका का पैशन भी है? हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। ईश्वर उसे किसी निश्चित लक्ष्य के लिये रचता है। दुर्भाग्य से मां-बाप उसकी रुचि व रुझान को नहीं समझ पाते।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के उपयोग की चुनौतियां

दिनेश सी. शर्मा

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) टूल्स जैसे कि चैटजीपीटी तमाम क्षेत्रों में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं, अब तो चिकित्सकों, मरीज़ों और स्वास्थ्य देखभाल एजेंसियों ने भी उपयोग शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एआई की नैतिक उत्तरदायित्व एवं परिचालन विधि को लेकर नए परामर्श प्रपत्र में चेतावनी युक्त संदेश जारी किया है, विशेषकर स्वास्थ्य क्षेत्र में लार्ज मल्टी-मोडल मॉडल्स (एलएमएम) के इस्तेमाल पर। एलएमएम, जैसे कि चैटजीपीटी और बार्ड, टेक्सट और वीडियो जैसे इनपुट डाटा को स्वीकर कर सकता है और जो आउटपुट यह पैदा करेगा वह मात्र इंपुटेड डाटा तक सीमित नहीं है। ये व्यवस्थाएं मानवीय सक्षमता की नकल करने के लिए डिजाइन की गई हैं, यहां तक कि ऐसे कार्य करने में समर्थ हैं, जिनके लिए इनमें लर्निंग और एडैप्टिंग प्रोग्राम फीड न भी किए गए हों। इसलिए इनसे स्वास्थ्य से संबंधित मिथ्या, त्रुटिपूर्ण, पक्षपाती या अपूर्ण सूचनाएं आने का गंभीर जोखिम दरपेश है। यह भी अब साफहै कि एआई व्यवस्था को इस तरह 'सिखाया' जा सकता है कि लैंगिक, जाति, नस्ल आदि से संबंधित असत्य, तोड़ा-मरोड़ा डाटा घड़कर यह हानिकारक या पक्षपाती सामग्री पैदा कर सके। एआई का उपयोग बढ़ने के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2021 में मोटे तौर पर सामान्य दिशा-निर्देशक सिद्धांत जारी किए थे, जोकि स्वास्थ्य क्षेत्र में इस नई तकनीक के इस्तेमाल की संभावना को मान्यता थी। इन सिद्धांतों के मुताबिक, एआई तकनीक के लिए अनिवार्य था कि वह संप्रभुता की सुरक्षा, मानव भलाई को बढ़ावा, मानव सुरक्षा, जनहित को प्रोत्साहित करे, साथ ही पारदर्शी, व्याख्यात्मक हो एवं सुबोधता सुनिश्चित करती हो, उत्तरदायी और जिम्मेवाराना हो, सबका साथ और समानता सुनिश्चित करने वाली हो, उन तकनीकों को बढ़ावा दे जो प्रतिक्रियाशील और सतत हों। व्याख्यात्मक का अर्थ है कि पब्लिक डोमेन में एआई के डिज़ाइन या डिप्लॉयमेंट को लेकर समुचित जानकारी उपलब्ध करवाई जाए। पिछले हफ्ते जारी नए दिशा-निर्देश स्वास्थ्य क्षेत्र में एलएमएम के विकास और अपनाए जाने से संबंधित हैं। एलएमएम का उपयोग समझने के लिए, किसी एआई तकनीक की वैल्यू-चेन (मूल्य-शृंखला) को समझना बहुत महतत्वपूर्ण है। इस शृंखला के किसी भी चरण पर, अहम निर्णय लेने पड़ेंगे, जो इस तकनीक की भावी दिशा और परिणामों पर असर डाल सकते हैं। शृंखला का आरंभ एलएमएम टूल को विकसित करने से होता है। विकसित करने वालों में, कोई एक बड़ी तकनीकी कंपनी, कोई यूनिवर्सिटी या एक तकनीक नव-उद्यम या राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली या सार्वजनिक-निजी भागीदार उद्यम हो सकता है। तत्पश्चात, एक प्रदाता, जो कोई तीसरा पक्ष भी हो सकता है, वह एलएमएम में आगे सूक्ष्म सुधार और इसको प्रशिक्षित करके एक प्रोग्रामिंग इंटरफेस पेश कर सकता है। बृहद सॉफ्टवेयर के साथ एलएमएम का एकीकरण करने की जिम्मेवारी प्रदाता की है ताकि यह एक एप्लीकेशन बन सके। चेन में तीसरा मुख्य खिलाड़ी डेप्लॉयर है, जो अंतिम छोर पर, उपयोगकर्ता को यह सेवा उपलब्ध करवाता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, प्रदाता कोई एक अस्पताल शृंखला, सरकारी स्वास्थ्य एजेंसी या फिर दवा कंपनी भी हो सकती है। इस वैल्यू चेन के प्रत्येक चरण पर डेवेलपर, प्रोवाइडर और डेप्लॉयर के अलावा बहु-नैतिकता एवं प्रशासनिक मुद्दों की भूमिका है। अधिकांशत:, डेवेलपर एक बड़ी तकनीकी कंपनी होगी क्योंकि एलएमएम विकसित करने को जरूरी पर्याप्त कम्प्यूटिंग पॉवर, तकनीकी कौशल और धन उसके पास होगा। लेकिन, एलएमएम अपने एल्गॉरिद्म एवं संभावित जोखिम संबंधी सूचना को अपारदर्शी बनाकर बड़ी तकनीकी कंपनियों के दबदबे को और मजबूती दे सकता है। पारदर्शिता को लेकर कॉर्पोरेट में प्रतिबद्धता नदारद होना एक मुख्य चिंता है। नियामक और विधिक प्राधिकरण को एआई टूल्स द्वारा मौजूदा विधिक एवं नियामक तंत्र में दिए दिशा-निर्देशों, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्व और राष्ट्रीय डाटा सुरक्षा कानून के प्रावधानों के अनुपालन को लेकर चिंता है। एलएमएम की घोषणा के समय सरकार एवं नियामक एंजेसियां सकते में थीं क्योंकि उनके पास इसको लेकर कोई नियम मौजूद नहीं थे। उदाहरणार्थ, यूरोपियन यूनियन को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कानून की पुनर्समीक्षा के आखिरी पड़ाव पर एलएमएम को शामिल करने के लिए पुन: नए प्रावधान जोड़ने पड़े। वैल्यू चेन में एलएमएम के प्रशिक्षण के लिए जिस ढंग से डाटा एकत्रण या प्रबंधन और प्रसंस्करण चल रहा है, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हो सकता है यह एल्गॉरिद्म विधिक एवं नियामक तंत्र की पालना न करे। जैसा कि अध्ययनों में पाया गया है, एलएमएम में फर्जी प्रतिक्रिया देने की संभावना खुली है और नियमों का अनुपालन न करना देखा गया है। जैसे-जैसे एलएमएम का उपयोग स्वास्थ्य तंत्र को चलाने में बढ़ता जा रहा है, एक अन्य चिंता उपजी है कि गलतियों, दुरुपयोग और नुकसान होने की सूरत में जिम्मेवारी क्या होगी। अन्य तकनीकी एप्लीकेशंस की भांति, इस प्रणाली को भी साइबर अटैक का खतरा है, तब मरीज से संबंधित जानकारी को खतरा होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोटे तौर पर एमएलएल की पांच उपयोगिताओं की शिनाख्त की है, क्रमश: डायग्नोसिस एंड क्लीनिकल केयर, इनवेस्टीगेटिंग सिम्पट्म्स एंड ट्रीटमेंट, क्लेरिकल-एडमिनिस्ट्रेटिव टास्क (जैसे मरीज की फेरियों का संक्षिप्त विवरण) और मेडिकल एवं नर्सिंग शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं औषधि विकास। मरीजों की पूछताछ का उत्तर देने को स्वास्थ्य संबंधी रिकार्ड और फेरियों पर आधारित एआई, खासकर एलएमएम का उपयोग हेल्थ क्षेत्र में बढ़ रहा है। इससे स्वास्थ्य कर्मी का समय बचाने में मदद मिलेगी। एक कंपनी ऐसा मेडिकल एलएमएम विकसित कर रही है जो मरीज द्वारा पूछे सवालों का जवाब दे पाएगी और उसकी मेडिकल हिस्ट्री एवं जांच रिपोर्ट्स का डाटा (जैसे एक्स-रे रिपोर्ट) सम्मिलित करके संक्षिप्त ब्योरा और क्लीनिशियंस के लिए अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी। डर यह है कि जरूरी नहीं कि विशेषतौर पर प्रशिक्षित व्यवस्था भी सटीक उत्तर बना पाए। एआई टूल्स का एक बड़ा असर डॉक्टर-मरीज रिश्तों में आगे बदलाव होगा, जोकि मरीजों द्वारा इंटरनेट सर्च इंजन के उपयोग में बढ़ोतरी की वजह से पहले से खराब हैं। आगे की राह एआई टूल्स और एलएमएम का उपयोग बंद करने में नहीं बल्कि इन्हें पारदर्शिता से विकसित करने और इनके उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने में है। आरंभ के लिए, सरकार को स्वास्थ्य सेवा या दवा क्षेत्र को लेकर विकसित किए जाने वाली एमएलएम की अंदरूनी जानकारी तक पहुंच और अनुमति देने के लिए एक नियामक एजेंसी बनानी चाहिए। इसके साथ ही, कम्प्यूटिंग पॉवर एवं पब्लिक डाटासेट्स के समावेश वाला गैर-मुनाफा अथवा सार्वजनिक तंत्र विकसित करने का प्रयास हो, जिस तक सार्वजनिक, निजी और गैर मुनाफा टूल विकसित करने वालों की पहुंच हो। स्वास्थ्य सेवाओं और उत्पादों पर लागू होने वाले तमाम नैतिक और मानवाधिकार मानकों को विस्तार देते हुए एआई तकनीक एवं टूल्स पर भी लागू किया जाए। जहां कहीं स्वास्थ्य क्षेत्र और मेडिकल एप्लीकेशंस में एलएमएम का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो, वहां जारी किए जाने उपरांत इनकी लेखा-परीक्षा और प्रभाव का आकलन स्वतंत्र तीसरे पक्ष द्वारा करवाना अनिवार्य बनाया जाए। लिहाजा, न तो एआई के फायदों को बढ़ा-चढ़ाकर देखा जाए न ही इससे जुड़े जोखिमों को घटाकर पेश किया जाए।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के माहिर हैं।

पेटीएम पर हाथ कैसे डालेगी ईडी ?

लेखक राकेश अचल

भारत में 14 साल पहले दबे पांव आयी ई-कामर्स कम्पनी पेटीएम के पांव जमाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को ही अपना ब्रांड एम्बेस्डर बना लिया था।,आज यही कम्पनी अरबों रूपये के सन्दिग्ध लेनदेन के आरोपों से घिरी है और भारतीय रिजर्व बैंक ने इस पेटीएम पेमेंट बैंक के ऊपर रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए है। 29 फरवरी के बाद इस कमपनी की अनेक सेवाएं बंद कार दी जाएँगी। मनी लांड्रिंग कि आरोपों से घिरे पेटीएम पर ईडी हाथ डालने को राजी नहीं है। पेटीएम भारत में आ तो गयी थी कांग्रेस के जमाने में ही लेकिन उसके ब्रांड एम्ब्सडर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने 2016 मे। मोदी जी की तस्वीरों के साथ जब इस कम्पनी के एक-एक पृष्ठ के विज्ञापन देश के हर बड़े अख़बार और टीवी चैनलों पर दिखाए गए तो देश की जनता ने इस कम्पनी पर भरोसा कर इसे हाथों-हाथ लिया। लेकिन अंततोगत्वा भारतीय रिजर्व बैंक ने इस कमपनी द्वारा किये जा रहे अरबों-खरबों रूपये के संदिग्ध लेनदेन को पकड़ा तो इस कम्पनी पर प्रतिबंध लगा दिया गया । कमपनी के अघोषित संरक्षक या ब्रांड एम्बेस्डर मोदी जी भी इस कार्रवाई को रोक नहीं सके। हालाँकि बाद में सरकार ने साफ़ किया की प्रधानमंत्री के फोटो का पेटीएम ने गलत इस्तेमाल किया और इसके लिए उसने बाद में माफी भी मांग ली थी ,क्योंकि सरकार ने उसके ऊपर जुर्माना लगा दिया था। मोदी जी के साथ पेटीएम के सीईओ विजय शर्मा की नजदीकियां जगजाहिर हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि पेटीएम ने नियमों का उल्लंघन किया है, इसलिए ये फ़ैसला लिया गया है। बैंक के इस एलान के बाद से पेटीएम के शेयरों में भारी गिरावट आई। पेटीएम के शेयर 20 फ़ीसदी तक गिर गए। पेटीएम के शेयर का दाम 609 रुपये तक पहुंच गया है, जो बीते छह सप्ताह में सबसे कम कीमत है। आपको बता दें कि पेटीएम के पास डिजिटल पेमेंट बाज़ार का 16-17 फ़ीसदी हिस्सा है और जानकारों के मुताबिक करोड़ों लोग इससे प्रभावित होने जा रहे हैं।

देश में भाजपा की सरकार बनते ही पेटीएम की किस्मत अचानक जागी क्योंकि कंपनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसका ब्रांड एम्बेस्डर बना लिया था।। उनकी तस्वीरों वाले विज्ञापन जब अख़बारों और दुसरे माध्यमों में आये तो देश की जनता ने इस कम्पनी को हाथोंहाथ लेना शुरू किय। 2014 में, कंपनी ने 40 लाख से अधिक भारत की सबसे बड़ी मोबाइल भुगतान सेवा मंच पेटीऍम वॉलेट का शुभारंभ किया। यह सेवा उबेर , बुक माय शो और मेक माय ट्रिप जैसे इन्टरनेट कंपनियों के पार भुगतान का पसंदीदा तरीका बन गया। तीन साल बाद ही 2017 में पेटीएम ने पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड **(PPBL)** नाम का नया बैंक शुरू किया । इसके अतर्गत अब सभी पेटीएम वॉलेट को पेटीएम बैंक में तब्दील कर दिया गया लेकिन इस शर्त कि साथ की सभी खता धारकों का केवायसी द्वारा सत्यापन कराया जाएगा। आज की तारीख में भारत में पेटीऍम प्रीपेड मोबाइल, डीटीएच, डाटाकार्ड रिचार्ज, पोस्टपेड मोबाइल, लैंडलाइन, और डाटाकार्ड बिल भुगतान के लिए सभी राज्यों में सभी मोबाइल ऑपरेटरों के साथ काम करता है। इसने कई राष्ट्रीय बैंक के क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, और नेटबैंकिंग भुगतान के साथ भागीदारी की है। पेटीऍम उपयोगिता बिल भुगतान के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ काम करता है। यदि आपकी याददास्त दुरुस्त हो तो आपको याद होगा कि भारत में नोटबंदी के बाद पेटीएम करो एक बेहद आकर्षक मुहावरा बन गया था और इसका श्रेय पेटीएम कंपनी के संस्थापक विजय शेखर शर्मा को जाता ह। एक सुरीली आवाज में ये स्लोगन जब बजता था उसके फौरन बाद प्रधानमंत्री की तस्वीर भी स्क्रीन पर उभरती थी। कहते हैं कि विजय ऐसा नारा देना चाहते थे जो उनकी कंपनी को गूगल और ज़ेरोक्स की तरह ब्रैंड बना सके क्योंकि सर्च इंजन या फ़ोटोकॉपी के लिए इन कंपनियों के नाम इस्तेमाल होते हैं। विजय शर्मा पेटीएम को ई-वॉलेट लेन-देन का पर्याय बनाना चाहते थे. लेकिन हाल में डाटा असुरक्षित होने के आरोपों के बाद कंपनी पर कई सवाल खड़े हुए हैं.हाल ई में एक मीडिया कंपनी ने एक स्टिंग ऑपरेशन किया है जिसमें पेटीएम के उपाध्यक्ष और विजय शेखर शर्मा के भाई अजय शेखर शर्मा कथित तौर पर आरएसएस से नजदीकी की बात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा देश में प्लास्टिक करेंसी को प्रोत्साहित करने कि लिए शुरू किये गए अभियान का पूरा लाभ पेटीएम को मिला । पेटीएम एप्प भी बनाया गया है जो आज के सभी स्मार्टफ़ोन ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्राइड, एप्पल, और विंडोज पर काम करता है । इसमें हम बहुत सारे कैशलेस लेनदेन कर सकते हैं। इस एप्प के माध्यम से शौपिंग, ट्रेन और हवाई जहाज के टिकट बुकिंग, मोबाइल और डिश रिचार्ज, फिल्मो का टिकट भी खरीदने की आदत लोगों को पड़ गयी है ,लेकिन अब सब गफलत में पड़ता दिखाई दे रहा है। पिछले छह सालों में पेटीएम के 12.5 करोड़ उपयोगकर्ता थे। हालांकि, इसको छोटी दुकानों और व्यापारियों के साथ जोड़ भी दिया गया लेकिन फिर भी लेनदेन की संख्या काफ़ी कम रही। रिजर्व बैंक ने अपने बयान कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ कार्रवाई बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35 के तहत की है रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने मार्च 2022 में पेटीएम पेमेंट्स बैंक से नए कस्टमर्स जोड़ना बंद करने को कहा था।

संतोष की बात ये है कि फिलहाल, आपके पेटीएम वॉलेट और पेटीएम पेमेंट्स बैंक खाते में मौजूद पैसा सुरक्षित है. आप 29 फरवरी, 2024 तक इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। 29 फरवरी के बाद आप अपना पैसा बिना किसी शुल्क के अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर सकते है।

आप अपना पैसा पेटीएम मर्चेंट स्टोर्स पर खर्च कर सकते हैं जो पेटीएम क्यूआर कोड स्वीकार करते हैं। बतया गया है कि पेटीएम पूरी तरह बंद नहीं हो रहा है। यह भुगतान गेटवे के रूप में काम करना जारी रखेगा, अर्थात आप क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग का उपयोग करके भुगतान कर सकते है। तथापि , आप पेटीएम वॉलेट में नया पैसा नहीं जोड़ पाएंगे और फंड ट्रांसफर जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होंगी । सूत्रों के अनुसार पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के पास लाखों गैर-केवाईसी अनुपालन वाले खाते थे और हजारों मामलों में कई खाते खोलने के लिए एक ही पैन का उपयोग किया गया था. सूत्रों ने कहा कि ऐसे उदाहरण हैं, जहां लेनदेन का कुल मूल्य करोड़ों रुपये में है, जिससे धन शोधन की चिंताएं बढ़ रही हैं। आरबीआई और लेखा परीक्षकों दोनों द्वारा आयोजित सत्यापन प्रक्रियाओं के दौरान ये बात सामने आई है। सूत्रों ने कहा कि आरबीआई को चिंता है कि कुछ खातों का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जा सकता है। प्रवर्तन निदेशालय को सूचित करने के साथ-साथ, आरबीआई ने अपने निष्कर्ष गृह मंत्रालय और प्रधान मंत्री कार्यालय को भी भेजा है ।

विचार मंथन

सम्पूर्ण जीर्णोद्धार की राह पर कांग्रेस

(लेखक - तनवीर जाफ़री)

स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी इन दिनों एक साथ कई मोर्चों पर संघर्षरत है। सत्ता का विपक्ष के प्रति दुश्मनों जैसा व्यवहार जहाँ कांग्रेस व कांग्रेस नेताओं के लिये चुनौती बना हुआ है वहीं कांग्रेस अपनी पार्टी में ही पल रहे आस्तीन के साँपों से भी जूझ रही है। अनेक अवसरवादी नेता समय समय पर किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़कर बल्कि कांग्रेस की राजनैतिक विचारधारा को भी त्याग कर धर्मनिरपेक्ष भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के बजाय साम्प्रदायिकता की डुगडुगी पीटने में लगे हैं। अनेक भ्रष्ट कांग्रेसी नेता भी पार्टी छोड़कर भयवश सत्ता की आग़ोश में जा बैठे हैं और किसी जांच एजेंसी का सामना करने के बजाये सुविधापूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि नवगठित **I. N. D. I. A** गठबंधन के कई क्षेत्रीय घटक दल भी सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस को कमतर आंकने की कोशिश कर रहे हैं। गोया ऐसे वक़्त में जबकि **I. N. D. I. A** गठबंधन को एकजुट व मज़बूत होने का सन्देश देना चाहिये ऐसे वक़्त में कई विपक्षी क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस का ही हौसला पस्त करने में लगे हैं।

उधर इन्हीं विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक की लगभग 6,700 किलोमीटर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकल चुके हैं। इस यात्रा की शुरुआत में ही **I. N. D. I. A** गठबंधन के प्रारंभिक सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ खेला हो गया और वे अपने पुराने केंचुल में जा बसे। असम में न्याय यात्रा को राज्य सरकार का क़दम क़दम पर तरह तरह का विरोध सहना पड़ा। कहीं यात्रा के इजाज़त नहीं मिली तो कहीं पुलिस में राहुल के विरुद्ध एफ़ आई आर दर्ज हुई। यहाँ तक कि बंगाल में जहाँ भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सहयोग व समर्थन मिलना चाहिये वहां भी वीरभूमि और मुर्शिदाबाद जैसे ज़िलों में परीक्षा के बहाने यात्रा की अनुमति नहीं दी गयी। सीट शेयरिंग के नाम पर भी ममता बनर्जी अपना स्टैंड लगभग साफ़ कर चुकी हैं कि वे बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ेंगी। इसके पहले ममता ने कांग्रेस को मात्र दो सीटों देने का प्रस्ताव किया था जो कांग्रेस ने नामंजूर कर दिया है। इतना ही नहीं बल्कि ममता ही यह भी कह चुकी हैं कि कांग्रेस यदि 300 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ती है तो इनमें से 40 सीटें भी नहीं जीत सकती। उत्तरप्रदेश में भी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से 20 सीटें मांगी थीं। परन्तु अखिलेश यादव ने कांग्रेस को केवल 11 सीटें देने की ही घोषणा की। अब ख़बर है कि कांग्रेस व सपा में 13 सीटों पर सहमति बन चुकी है। इसी तरह दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस की सीट शेयरिंग की ख़बर है जिसके अनुसार कांग्रेस 4 पर जबकि आम आदमी पार्टी 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। परन्तु संभवत: पंजाब में इन्हीं दोनों दलों में सीट शेयरिंग न हो सके और दोनों दल आमने सामने चुनाव लड़ें। आम आदमी पार्टी तो हरियाणा, असम, गुजरात और गोवा में भी कांग्रेस से सीटें मांग रही है। परन्तु इन सबसे इतर असम हो या बंगाल या बिहार अथवा झारखण्ड जहाँ से भी राहुल गाँधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुज़र रही है लगभग हर जगह कांग्रेस पार्टी को भारी जनसमर्थन हासिल हो रहा है। कहीं कहीं तो जनसभाओं में लाखों की भीड़ इकट्ठी होकर राहुल गाँधी व कांग्रेस नेताओं की बातों को सुन रही है। परन्तु चाटुकार गोदी मीडिया ने राहुल गाँधी के नेतृत्व में चल रही इस भारत जोड़ो न्याय यात्रा को पूरी तरह ब्लैक आउट कर रखा है। गोदी मीडिया को इंडिया गठबंधन में किसी तरह की मनमुटाव की ख़बरों को तो मिर्च मसाला लगाकर परोसने में खूब मज़ा आता है परन्तु उसे राहुल गाँधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उमड़ती भीड़ व उसकी सफलता नज़र नहीं आती। इससे पहले भी जब राहुल ने 7 सितम्बर 2022 को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिये यात्रा निकली थी तब भी गोदी मीडिया ने कोई तवज्जोह नहीं दिया था।

I. N. D. I. A गठबंधन में अनेक सहयोगी दलों के नख़रे,सत्ता का दबाव और साथ ही कांग्रेसी विभीषणों का सामना और इसी बीच भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान ही राहुल गाँधी का कांग्रेस द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुये यह कहना कि- मैं चाहता हूं कि हिमंत बिस्वा सरमा और मिलिंद देवड़ा जैसे लोग कांग्रेस से चले जाएं, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। हिमंत एक विशेष प्रकार की राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, यह कांग्रेस पार्टी की राजनीति नहीं है।

लिहाज़ा ऐसे नेताओं को पार्टी से अलग हो जाना चाहिए, क्योंकि वे इसकी विचारधारा से सहमत नहीं हैं। तमाम नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी छोड़कर जाने के दौरान ही राहुल का अवसरवादियों को दिया जाने वाला स्पष्ट सन्देश अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पान मसाला, गुटखा, तंबाकू कंपनियों के नियमों में किया गया बदलाव

- पैकिंग मशीनों को जीएसटी अधिकारियों के पास रजिस्टर्ड नहीं कराया तो लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली । तंबाकू, गुटखा और पान-मसाला उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए नियमों में बदलाव हुआ है। ये प्रोडक्ट्स बनाने वालों ने अगर 1 अप्रैल से अपनी पैकिंग मशीनों को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी)अधिकारियों के पास रजिस्टर्ड नहीं कराया तो उन्हें 1 लाख रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। तंबाकू इंडस्ट्री में रेवेन्यू लीकेज को रोकने के लिए वित्त विधेयक 2024 में संशोधन किए गए हैं। कुछ स्थितियों में गैर-अनुपालन वाली मशीनों को जब्त किया जा सकता है। जीएसटी काउंसिल ने पिछले साल तंबाकू निर्माताओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों को रजिस्टर्ड करने के लिए एक विशेष प्रक्रिया की सिफारिश की थी। मौजूदा और नई लगी मशीनों का विवरण, उनकी पैकिंग क्षमता सहित फॉर्म जीएसटी एसआरएम-आई में देना होगा। हालांकि, ऐसा करने में विफल रहने पर कोई दंड की घोषणा नहीं की गई है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि जीएसटी परिषद ने पहले उक्त उत्पादों में उपयोग होने वाली मशीनों को उनकी उत्पादन क्षमता की निगरानी के लिए पंजीकृत करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर वे पंजीकरण करने में विफल रहे तो कोई जुर्माना नहीं था। इसलिए काउंसिल ने फैसला किया कि कुछ दंड होना चाहिए। इसलिए वित्त विधेयक में आपको मशीनों को पंजीकृत नहीं करने के लिए एक लाख रुपये तक का जुर्माना` लिया जा सकता है।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली । भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और सकारात्मक मांग की वजह से जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जनवरी में 61.8 पुहंच गया। यह दिसंबर में 59 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा` कि भारत की सेवा पीएमआई जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। नए व्यवसाय का विस्तार तेज गति से हुआ और भविष्य की गतिविधि के लिए प्रबंधकों की उम्मीदें मजबूत बनी हैं। कारोबारी गतिविधि सूचकांक में तेजी आई, जिससे संकेत मिलता है कि भारत का सेवा निर्यात मजबूत बना हुआ है। नई निर्यात बिक्री तीन महीनों में सबसे तेज़ गति से बढ़ी। कंपनियों ने अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका सहित दुनिया भर में ग्राहकों से लाभ का संकेत दिया। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 58.5 से बढ़कर 61.2 हो गया।

सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में भूस्वामियों से साझेदारी की

नई दिल्ली । रियल्टी फर्म सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए भूस्वामियों के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने कहा कि इन परियोजनाओं की कुल राजस्व क्षमता 5,000 करोड़ रुपये से अधिक है। कंपनी ने कुल 21.38 एकड़ के भूखंड पर आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए भूस्वामियों के साथ तीन अलग-अलग संयुक्त विकास समझौते (जेडीए) किए हैं। सिग्नेचर ग्लोबल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि प्रमुख शहरों में आवास की बढ़ती मांग के बीच कंपनी ने अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए ये समझौते किए हैं। उन्होंने बताया कि इन जेडीए से संभावित बिक्री आय 5,000 करोड़ रुपये से अधिक होगी। ये भूखंड गुरुग्राम के सेक्टर 71 में हैं और कंपनी की मौजूदा परियोजनाओं के नजदीक हैं। अग्रवाल ने कहा कि अगले एक से दो साल के भीतर इन परियोजनाओं को पेश करने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उप्र का बजट सर्व-समावेशी होगा: वित्त मंत्री खन्ना

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उनका बजट सर्व-समावेशी होगा जो राज्य को 1000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने मदद करेगा। खन्ना ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विधानसभा में वार्षिक बजट पेश करने से पहले पत्रकारों से कहा कि बजट सर्व-स्पर्शी, सर्व-समावेशी और सर्वांगीण विकास वाला होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नीत सरकार का बजट उत्तर प्रदेश को 1000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी बजट में बुनियादी ढांचे, युवा रोजगार और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिए जाएगा। बजट में धार्मिक महत्व के स्थानों के लिए अधिक धन आवंटित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सभी बुनियादी ढांचे के अंतर्गत आता है।

इस बीच उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राज्य के बजट का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाना और राज्य को विकास के पथ पर आगे ले जाना है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बजट बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा और इसमें गरीबों के कल्याण के लिए योजनाएं होंगी।

टाटा नेक्सन ने 6 लाख यूनिट उत्पादन का आंकड़ा किया पार

- उपलब्धि को हासिल करने में कार को सिर्फ 76 महीने लगे

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स कंपनी की टाटा नेक्सन ने 6 लाख यूनिट उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। इस उपलब्धि को हासिल करने में कार को सिर्फ 76 महीने लगे हैं। अप्रैल, 2023 में टाटा नेक्सन ने उत्पादन में 5 लाख का आंकड़ा छूआ था। टाटा नेक्सान में दो वेरिएंट आईसीई और ईवी मॉडल में बिक्री के लिए उपलब्ध है। जहां रेगुलर टाटा नेक्सान एसयूवी की कीमत 8.10 लाख रुपये से शुरू होती है। वहीं इलेक्ट्रिक वेरिएंट की कीमत 14.74 लाख रुपये एक्स-शोरूम से शुरु होती है। बता दें टाटा नेक्सन एसयूवी स्मार्ट, प्योर, क्रिएटिव और फियरलेस ट्रिम्स में उपलब्ध है। इसके अलावा टाटा नेक्सन फेसलिफ्ट को पिछले साल सितंबर में लॉन्च किया गया था।टाटा नेक्सन फेसलिफ्ट एसयूवी दो इंजन ऑप्शन के साथ आती है। इसमें 1.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 120 बीएचपी और 170 एनएम का टॉर्क पैदा करने में सक्षम है। यह इंजन तीन गियरबॉक्स 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड एएमटी और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स के साथ आता है।

पेटीएम के शेयर में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट

नई दिल्ली । पेटीएम के शेयर में सोमवार को लगातार तीसरे सत्र में गिरावट आई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में और 10 प्रतिशत गिर गए। बीएसई पर शेयर 10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 438.35 रुपये पर आ गए। एनएसई पर 9.99 प्रतिशत गिरकर 438.50 रुपये पर पहुंच गए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड साधन, वॉलेट एवं फास्टैग में 29 फरवरी 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार न करने का गत बुधवार को निर्देश दिया था। इसके बाद से कंपनी के शेयर में लगातार गिरावट आ रही है।कंपनी के शेयर में लगातार तीन सत्र में 42 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है। इससे उसके बाजार मूल्यांकन को 20,471.25 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आरबीआई ने आदेश में कहा था कि कि पेटीएम का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड और पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज के नोडल खातों को 29 फरवरी से पहले जल्द-से-जल्द जल्द समाप्त किया जाना चाहिए। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा की बैंक में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज के कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स ओर एनएसई निफ्टी के अलावा व्यापक बाजारों में भी गिरावट रही। वहीं बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.02 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.23 फीसदी नीचे आया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 354.21 करीब 0.49 फीसदी टूटकर 71,731.42 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला निफ्टी भी 82.10 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी नीचे आया। निफ्टी दिन के अंत में 21,771.70 अंक पर आकर बंद हुआ।

सोमवार के कारोबार के दौरान टाटा मोटर्स , कोल इंडिया बीपीसीएल, सन फार्मा और सिप्ला निफ्टी के लाभ वाले शेयर रहे जबकि यूपीएल, भारतीय एयरटेल, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसील लाइफ निफ्टी के नुकसान वाले शेयर रहे।

इससे पहले शुक्रवार को बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स फ्लैटलाइन से 16 अंक नीचे 72,069 पर कारोबार कर रहा था और एनएसई निफ्टी 50 21,860 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में भी गिरावट आई क्योंकि फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल ने में कहा कि केंद्रीय बैंक इस साल ब्याज दर में कटौती की दिशा में बाजार की उम्मीद से धीमी गति से कदम उठाएगा। हैंग सेंग, एएसएक्स 200 और कोस्पी 0.55-2 फीसदी गिरे जबकि केवल निक्केई में 0.3 फीसदी की बढ़त देखने को मिली। अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को एसएंडपी 500 में 1.1 फीसदी, डॉव में 0.4 फीसदी और नैस्डैक में 1.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

वेतन और पेंशन बढ़ाने से बैंक को होगा 26000 करोड़ का नुकसान: एसबीआई चेयरमैन

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा है कि उसके कर्मचो रियों का वेतन और पेंशनधारकों की पेंशन बढ़ाने से बैंक को लगभग 26000 करोड़ का नुकसान होगा। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा कि हाल में अदालत के आदेश के बाद बैंक ने अपने 1.8 लाख पेंशनभोगियों को 50 प्रतिशत की दर से भुगतान करने का फैसला किया है। जिससे वेतन वृद्धि के प्रभाव से मार्च के अंत तक बैंक के मुनाफे में 25,990 करोड़ रुपये की कमी आएगी। ऐसा इसलिए है, क्योंकि बैंक ने पहले ही सितंबर, 2023 तक 13,400 करोड़ रुपये और दिसंबर तिमाही में अतिरिक्त 7,100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके अलावा मार्च तिमाही में 5,490 करोड़ रुपये और रखने होंगे। इस तरह, कुल 25,990 करोड़ का प्रावधान करना होगा, जिसमें ज्यादातर पेंशन पर खर्च किए जाएंगे। बैंक और कर्मचारी संघों के साथ हुए समझौतों के तहत 17 फीसदी ऊंचे वेतन का प्रावधान किया गया है।

इसमें पेंशन बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। कर्मचारियों का यह

संशोधित वेतन नवंबर, 2022 से ही प्रभावी माना जाएगा। खारा ने बताया कि 2023-24 की आखिरी तिमाही यानी मार्च तक वेतन वृद्धि का प्रस्ताव बढ़कर 26 हजार करोड़ रुपये हो जाएगा। बैंक ने हाल में ही अपना तिमाही परिणाम जारी कर दिया, जिसमें बैंक ने बताया कि उसका मुनाफा 35 फीसदी कम हो गया है। खारा ने कहा है कि कर्मचारियों का वेतन और पेंशनधारकों की पेंशन बढ़ाने की वजह से बैंक के मुनाफे में बड़ी गिरावट देखी गई है। उन्होंने कहा कि यदि वेतन और पेंशन के लिए एकमुश्त प्रावधान नहीं होता तो बैंक का मुनाफा 16,264 करोड़ रुपये रहता।

दिसंबर तिमाही के नतीजे के बाद इंडिगो के शेयर सार्वजनिक उच्च स्तर पर

मुंबई ।

इंडिगो की मूल कंपनी, इंटरग्लोब एविएशन कंपनी द्वारा दिसंबर तिमाही के मजबूत आंकड़ों की रिपोर्ट के बाद सोमवार को बीएसई पर 3301.40 रुपये के सार्वजिनिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। सोमवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर 139.15 रुपये की तेजी के साथ 3266.15 रुपये पर पहुंच गया था। दिसंबर तिमाही में एविएशन कंपनी का टैक्स के बाद मुनाफा 15 गुना बढ़कर 2998 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इसी अवधि में इसका रेवेन्यू भी 30.1 फीसदी बढ़ा। एविएशन कंपनी द्वारा दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी करने के बाद ब्रोकरेज मॉर्गन स्टेनली ने स्टॉक पर ओवरवेट रेटिंग बरकरार रखी है और लक्ष्य को 3745 रुपये से बढ़ाकर 4145 रुपये कर दिया है। विमानन दिग्गज इंडिगो ने शुक्रवार को अपनी दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी ने 2,998 करोड़ का लाभ कमाया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,418 करोड़ रुपये था। इस बीच परिचालन से राजस्व बढ़कर 19,452 करोड़ हो गया। हवाई यात्रा के लिए मजबूत मांग से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कम लागत वाली विमानन कंपनी इंडिगो के पास 358 विमानों का भारत का सबसे बड़ा एयरलाइन बेड़ा है और इसकी बाजार हिस्सेदारी 62 फीसदी से अधिक है।

नए वित्त वर्ष में पेट्रोलियम कंपनियां करेंगी 1.2 लाख करोड़ का निवेश

- निवेश से देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) सहित सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष में करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की तैयारी कर रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां मुख्य रूप से तेल और गैस खोज, रिफाइनरी, पेट्रोरसायन और पाइपलाइन कारोबार में यह निवेश करेंगी, जिससे देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। बजट दस्तावेज 2024-25 के अनुसार 2024-25 में प्रस्तावित निवेश 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त की तुलना में लगभग पांच प्रतिशत अधिक होगा। 2023-24 में पेट्रोलियम कंपनियों का निवेश 1.12 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। ओएनजीसी ने अगले वित्त वर्ष में 30,800 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च की योजना बनाई है। कंपनी यह निवेश तेल और गैस के नए भंडार खोजने और पहले की गई खोजों को उत्पादन में लाने पर करेगी। यह 2023-24 के 30,500 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय से थोड़ा अधिक है। कंपनी देश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों तटों पर खोजों का विकास कर रही है। इसी तरह ओएनजीसी की विदेशी इकाई ओएनजीसी विदेश` लिमिटेड (ओवीएल) 2024-25 में 5,580 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह चालू वित्त वर्ष की तुलना में 68 प्रतिशत अधिक है। देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) 30,910 करोड़ रुपए के निवेश परिव्यय के साथ सबसे अधिक खर्च करने वाली कंपनी होगी। आईओसी यह निवेश मुख्य रूप से विस्तार और ईंधन का उत्पादन करने वाली अपनी सात रिफाइनरियों के उन्नयन पर होगा।हालांकि, आईओसी का निवेश 2023-24 के खर्च 31,254 करोड़ रुपए से कुछ कम है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने 2024-25 में 30 प्रतिशत अधिक यानी 13,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव किया है। गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड का नियोजित निवेश 2024-25 में घटकर 8,000 करोड़ रुपए से कुछ अधिक रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का निवेश 9,750 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। ओएनजीसी की अनुषंगी कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) वित्त वर्ष 2024-25 में 12,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जो पिछले वित्त वर्ष के 12,000 करोड़ रुपए के आंकड़े से कुछ अधिक है।

मनी लांड्रिंग मामले में कंपनी पर ईडी की जांच नहीं होगी: पेटीएम

नई दिल्ली ।

देश के सबसे लोकप्रिय पेमेंट ऐप में शुमार पेटीएम की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं। पहले रिजर्व बैंक की ओर से पेटीएम पेमेंट बैंक पर रोक लगाए जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से मनी लांड्रिंग मामले में जांच की भी खबरें रही हैं। इस पर पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्े युनिकेशंस ने साफ कहा है कि उनके किसी भी संस्थान या अधिकारी के खिलाफ ईडी की जांच नहीं होने जा रही है। यह सफाई उन खबरों के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि पेटीएम पेमेंट बैंक की अनियमितताओं के खिलाफ ईडी जांच करेगा। हालांकि, कंपनी ने पूरी तरह साफ कर दिया है कि उसके फाउंड विजय शेखर शर्मा या कंपनी की किसी भी संस्था अथवा सब्सिडियरी के खिलाफ ईडी की जांच नहीं होगी। फिनटेक कंपनी ने यह जानकारी शेयर बाजार को दी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताई है। इस बीच पेटीएम के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा का कहना है कि वे

आरबीआई के साथ मिलकर मामले को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि आप हमारा पे रिवार हैं और कोई भी छंटनी नहीं होने जा रही।

सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि अगर फंड में हेरफेर को लेकर पेटीएम के खिलाफ नए चार्जेज लगाए जाते हैं तो ईडी भी जांच कर सकता है। उन्होंने कहा था कि मनी लांड्रिंग केस में आरबीआई की ओर से नए आरोप लगाए जाते हैं तो नियम के अनुसार इसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय को सौंपी जा सकती है।

आईबीबीआई ने व्यक्तिगत गारंटर के लिए आरपी पर लगाई रोक हटाई

अब दोनों के लिए एक ही समाधान पेशेवर हो सकते हैं

नई दिल्ली ।

भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने किसी कंपनी व उसके व्यक्तिगत गारंटर की समाधान प्रक्रिया के लिए एक ही इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल (आरपी) पर लगाई गई रोक हटा ली है। अब दोनों के लिए एक ही समाधान पेशेवर हो सकते हैं। बोर्ड ने यह फैसला दोनों प्रक्रियाओं के बीच बेहतर सामंजस्य और प्रभावी सहयोग के` लिए`` किया है। आईबीबीआई व्यक्तिगत गारंटर से लेकर कॉरपोरेट देनदार नियमन 2019 में किया गया बदलाव 31 जनवरी से प्रभावी हो गया। आईबीबीआई ने पर्सनल गारंटरों के मामले में लेनदारों की बैठक दिवालिया मसले पर अनिवार्य करने के प्रावधान में संशोधन किया है। इससे पहले व्यक्तिगत गारंटर की तरफ से जमा कराई गई भुगतान योजना के बाद रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल उसकी व्यवहार्यता का आकलन कर निर्णायक प्राधिकारी के पास रिपोर्ट इस सिफारिश के साथ जमा कराएंगे कि लेनदारों की बैठक बुलाई जाए या नहीं। अगर प्रोफेशनल को लगता है कि ऐसी बैठक अनावश्यक है तो वह इसकी वजह बताएंगे। रिजॉल्यूशन

प्रोफेशनल किसी बीमार कंपनी का परिचालन तब देखते हैं जब उसकी दिवालिया प्रक्रिया शुरू होती है और वह समाधान प्रक्रिया में लेनदारों की समिति, निर्णायक प्राधिकरण और संभावित बोलीदाताओं के बीच समन्वय करते हैं। यह प्रावधान शुरुआत में कम जटिल मामलों के तेजी से समाधान निकालने के लिए किया गया था जहां लेनदारों की बैठक लगातार बुलाने की अनिवार्य जरूरत न हो। आईबीबीआई ने इस प्रावधान में संशोधन व्यक्तिगत गारंटर के मामले में पेचीदगियों को ध्यान में रखते हुए किया है, जिससे अक्सर विस्तृत वित्तीय पारस्परिक निर्भरता व कई लेनदार जुड़े होते हैं और वहां और उचित प्रक्रिया की दरकार होगी। आईबीबीआई ने कहा` कि लेनदारों को अनिवार्य तौर पर शामिल किए जाने से समाधान प्रक्रिया का विस्तृत व सहयोगकारी तरीका सामने आएगा, जिससे इच्छित नतीजे मिलने और व्यवस्था की निष्पक्षता बढ़ेगी।

आरबीआई की एमपीसी छठी मौद्रिक समीक्षा में भी नीतिगत दरें बरकरार रहने की संभावना

आरबीआई 8 फरवरी को मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद अपना निर्णय सुनाएगा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की छह सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति लगातार छठी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरें जस की तस बनाए रख सकती है। एक सर्वेक्षण में शामिल सभी 10 प्रतिभागियों की यह राय है। आरबीआई 8 फरवरी को मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद अपना निर्णय सुनाएगा। मौद्रिक नीति समिति ने मई 2022 से फरवरी, 2023 के बीच 250 आधार अंक की बढ़ोतरी के साथ रीपो दर 6.5 फीसदी कर दी थी। उसके बाद अप्रैल, 2023 की बैठक में दर वृद्धि पर विराम लगा दिया गया था। अर्थशास्त्री कहते हैं ` कि पिछली मौद्रिक नीति की बैठक के बाद से वैश्विक घटनाक्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जिससे कोई वजह नहीं दिखती कि आरबीआई दरों में सख्ती करे। फरवरी की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में सबसे अहम बात यह होगी कि बैंकिंग तंत्र में तरलता की कमी पर केंद्रीय बैंक का क्या रुख रहता है। सभी प्रतिभागियों ने एकमत से कहा कि तरलता बढ़ाने के लिए आरबीआई वेरिएबल रेट रीपो एक्शन (वीआरआर) जारी रखेगा और खुले बाजार से बॉन्ड खरीदेगा या नकद आरक्षी अनुपात (सीआरआर) कम कर देगा। भारतीय स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा` कि बैंकिंग तंत्र में नकदी की किल्लत सितंबर से ही बनी हुई है। तरलता में अस्थायी इजाफे के लिए वीआरआर सही तरीका है क्योंकि खुले बाजार में परिचालन के जरिये नकदी स्थायी तौर पर डाली जाती है। लेकिन लगातार नकदी डाले जाने से तंत्र में तरलता बफर बनाने की जरूरत है। सभी प्रतिभागी इस बात से सहमत थे कि मौद्रिक नीति समिति रीपो दर पर यथास्थिति बनाए रखेगी लेकिन रुख के बारे में उनकी राय अलग-अलग थी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अर्थशास्त्री ने कहा` कि अगर आरबीआई फरवरी में मौद्रिक नीति पर रुख बदलकर तटस्थ करता है तो वेटेड औसत कॉल दर को रीपो दर पर लाने के लिए तरलता बढ़ाने के बड़े उपाय करने होंगे। मौसमी तौर पर नकदी निकासी के कारण तरलता की स्थिति मार्च तक सख्त बनी रहेगी। उनकी राय में आरबीआई फरवरी में अपने रुख में बदलाव नहीं करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

34 साल के हुए भुवनेश्वर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे मध्यम तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सोमवार को 34 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें साथी क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने बधाइयां दी हैं। भुवनेश्वर भारतीय टीम के साथ ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उत्तर प्रदेश की ओर से भी खेलते हैं। भुवनेश्वर ने भारतीय टीम की ओर से सभी प्रारुपों में 229 मैच खेलते हुए 294 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन साल 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ रहा था जब उन्होंने 31 ओवर में 2.64 की इकोनॉमी की दर से 6 विकेट लिए थे। साल 2016 में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 33 रन देकर 5 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर ने साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 24 रन देकर 5 विकेट लिए थे। वहीं एशिया कप 2022 में उन्होंने टी20 प्रारुप में शानदार गेंदबाजी दिखाते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ 4 ओवर में 4 रन देकर पांच विकेट लिए थे। भूवी के नाम से लोकप्रिय यह गेंदबाज अपनी स्विंग गेंदबाजी के कारण जाना जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 106 रनों से हराया, सीरीज 1-1 से बराबरी पर आयी

विशाखापतनम।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 106 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। इंग्लैंड ने हैदराबाद में खेला पहला टेस्ट जीता था जबकि यहां भारतीय टीम जीती है। मैच के चौथे दिन जीत के लिए मिले 399 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में 292 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार भारतीय टीम को मैच में 106 रनों से जीत मिली है। इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में जैक क्राउली ने सबसे ज्यादा 73 रन बनाये पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। क्राउली के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फोक्स ने 36 और स्पिन ऑलराउंडर टॉम हार्टले ने भी 36 रन बनाये। कप्तान बेन स्टोक्स 11 रन बनाकर रन आउट हुए, जॉनी बेयरेस्टो 26 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने तीन-तीन विकेट लिये जबकि अक्षर पटेल, मुकेश कुमार और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला। इस मैच में भारतीय टीम की जीत में यशस्वी जायसल , शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह की अहम भूमिका रही। यशस्वी ने जहां पहली पारी में दोहरा शतक लगाया, वहीं शुभमन ने दूसरी पारी में शतक लगाया। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में छह विकेट और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। इससे पहले आज सुबह एक विकेट पर 67 रनों से आगे खेलते हुए क्रॉली के अर्धशतक से इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लंच तक 194 रनों के अंदर ही छह विकेट खो दिये। चौथे दिन क्रॉली ने आक्रामक पारी खेली। इस बल्लेबाज ने 132 गेंदों पर 8 चौकों और एक छक्के की सहायता से 73 रन बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से आर अश्विन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए। आज चौथे दिन शुभमन गिल चोटिल होने के कारण मैदान पर नहीं उतरे। उनकी जगह सरफराज खान क्षेत्ररक्षण के लिए उतरे। वहीं इससे पहले तीसरे दिन भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में दूसरी पारी में 255 रन बनाकर आउट हो गयी। भारतीय टीम को इस मैच में पहली पारी के आधार पर 143 रनों की बढ़त हासिल थी। इस प्रकार उसी कुल बढ़त 398 हो गयी। भारतीय टीम ने इस मैच में अपनी पहली पारी में यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की सहाता से 396 रन बनाए थे जबकि मेहमान टीम को

जसप्रीत बुमराह ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में छह विकेट लेकर 253 रनों पर ही रोक दिया था। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम के पास 143 रन बढ़त थी। इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में स्पिनरों ने खास दबाव बनाये रखा टॉम हार्टले ने 4 जबकि रेहान अहमद ने 3 विकेट लिए। इस प्रकार इन दोनो ने कुल 7 विकेट लिए। वहीं दो विकेट जेम्स एंडरसन और शोएब बशीर ने लिए।

तुर्की में महिला फुटबॉल कप में भाग लेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय सीनियर महिला टीम 21 से 27 फरवरी तक तुर्की में होने वाले महिला कप फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेगी। भारतीय टीम के अलावा एस्टोनिया, कोसोवो और हांगकांग की टीमें भी राउंड-रॉबिन प्रारूप में होने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में हर टीम एक-दूसरे से एक बार खेलेगी और राउंड-रॉबिन चरण के अंत में तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें विजयी घोषित की जाएंगी। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 21 फरवरी को एस्टोनिया से खेलेगी। इसके बाद उसे हांगकांग से 24 फरवरी जबकि कोसोवो से 27 फरवरी को खेलना है। भारतीय टीम तीसरी बार इस टूर्नामेंट में भाग लेगी। उसने इससे पहले 2019 और 2021 में भी इसमें भाग लिया था। इस टूर्नामेंट के लिए अभ्यास करने नयी मुख्य कोच लैंगम चाओबा देवी की निगरानी में 10 फरवरी से भुवनेश्वर में टीम का एक सप्ताह का शिविर भी लगेगा। **भुवनेश्वर में शिविर के लिए संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं: गोलकीपर:**

अंशिका, एलंगबाम पंथोई चानू, मोनालिसा देवी मोइरंगथम, श्रेया हुडा **डिफेंडर:** आशालता देवी लोइटोंगबम, अस्तम ओरांव, डालिमा छिब्बर, जूली किशन, ममता, रंजना चानू सोरोखैबम, शिल्की देवी हेमम **मिडफील्डर:** अंजू तमांग, इंदुमति काथिरेसन, काजोल डिसूजा, कार्तिका अंगमुथु, कृतिना देवी थौनाओजम, मनीषा, पवित्रा मुरुगेसन, प्रियंगका देवी नाओरेम, संगीता बासफोर **फॉरवर्ड:** ग्रेस डांगमेई, ज्योति, करिश्मा पुरूषोत्तम शिरवोइकर, काव्या पक्कीरिसामी, लिंडा कोम सर्टो, नेहा, प्यारी खाखा, संध्या रंगानथन, संजू, सौम्या गुगुलोथ।

ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट तीसरे वनडे से बाहर

कैनबरा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बेन मैकडरमॉट को शामिल किया गया है। रविवार को मैथ्यू शॉर्ट को वेस्टइंडीज पर ऑस्ट्रेलिया की श्रृंखला जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का सामना करना पड़ा था। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आने के बाद उन्होंने बल्ले से 55 गेंदों पर 41 रन बनाए, लेकिन चोट के कारण वह फील्डिंग करने नहीं उतरे। बेन मैकडरमॉट ने शनिवार को तस्मानिया के खिलाफ चल रहे शेफील्ड शील्ड मैच में क्वींसलैंड के लिए नाबाद 146 रन बनाए। अब वह सोमवार को कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम के साथ जुड़ने के लिए मैच से हट गए हैं, और यह मैच मंगलवार को मनुका ओवल में खेला जाएगा। 2018 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से बेन मैकडरमॉट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 25 टी20 और छह वनडे मैच खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए उनका आखिरी वनडे मैच मार्च-अप्रैल 2022 में पाकिस्तान दौरे पर आया था। जहां उन्होंने लाहौर में प्रारूप में अपना एकमात्र शतक बनाया था। यह देखना बाकी है कि मैथ्यू शॉर्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ 9, 11 और 13 फरवरी को होने वाले आगामी टी20 मैचों के लिए फिट होंगे या नहीं। प्रतियोगिता में 541 रन बनाने के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने जाने के बाद मैथ्यू शॉर्ट ने ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल सेट-अप में अपना स्थान अर्जित किया।तीसरे मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम- स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड (उप-कप्तान), जोश इंगलिश, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, बेन मैकडरमॉट, विल सदरलैंड, एडम ज़म्पा।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के लिए भुवनेश्वर पहुंची भारतीय पुरुष टीम

भुवनेश्वर।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 अभियान की शुरुआत करने के लिए सोमवार को भुवनेश्वर पहुंच गई।भारतीय टीम पिछले सीजन में नीदरलैंड, ग्रेट ब्रिटेन और बेल्जियम के बाद चौथे स्थान पर रही थी।एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 (पुरुष) राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में जाने से पहले 10 से 16 फरवरी तक कलिंगा हॉकी स्टेडियम में होने वाली है, जहां लीग 19 से 25 फरवरी तक जारी रहेगी।

पांच राष्ट्रीय टीमें; आयरलैंड, नीदरलैंड, भारत, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया, एफआईएच प्रो लीग 2023-24 (पुरुष) के भारत चरण में भाग लेंगी। जहां वो भुवनेश्वर और राउरकेला में एक-दूसरे का सामना करेंगी।भारत सीजन के अपने पहले मैच में 10 फरवरी को मैक्स काल्डास की स्पेन से भिड़ेगा। उसके बाद 11 फरवरी को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीम नीदरलैंड की चुनौती का सामना करेगा। थोड़े समय के ब्रेक के बाद वे 15 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगे। फिर, वो 16 फरवरी को भुवनेश्वर चरण के आखिरी मैच में आयरलैंड से भिड़ेंगे।एफआईएच प्रो लीग

2023-24 की तैयारियों पर प्रकाश डालते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम अभी दक्षिण अफ्रीका के एक सफल दौरे से वापस आए हैं। जहां हमने प्रो लीग शुरू करने के लिए फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के खिलाफ खेला था।इस बार कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है और यह उनके लिए दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों की खेल शैली से परिचित होने का शानदार अवसर होगा। हम प्रो लीग को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं क्योंकि इसे जीतने का मतलब न केवल एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए सीधी योग्यता होगी, बल्कि ये खेल पेरिस 2024 ओलंपिक की तैयारी में भी महत्वपूर्ण होंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोच ज्याला बोले, यशस्वी इन कारणों से अन्य क्रिकेटरों से हैं अलग

मुंबई । क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल पदार्पण के बाद से ही शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उन्होंने टेस्ट में अब तक दो शतक भी लगाये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण करने वाले यशस्वी ने अब इंग्लैंड के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित किया है। इस बल्लेबाज के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने उसकी सफलता का राज बताया है। कोच के अनुसार खेल के प्रारूपों के बीच अनुकूलन क्षमता और सहज प्रवृति के कारण ही वह तेजी से सफल हुआ है और यही गुण उसे अन्य प्रतियोगियों से अलग बनाते हैं। इसी कारण वह अपने साथियों से अलग दिखता है। यशस्वी ने 22 साल और 36 दिन की उम्र में दोहरा शतक लगाकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सुनील गावस्कर के बाद टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले वह देश के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। ज्वाला ने कहा, 'जूनियर क्रिकेट में उसने मुंबई अंडर-16 की ओर से दोहरा शतक लगाया था। मुंबई अंडर-19 के लिए भी, ईरानी कप, दलीप ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में भी उसने दोहरा शतक लगाया था। वह अपनी बल्लेबाजी में आक्रामक प्रकृति के कारण ही लंबी पारी खेल पाता है। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा ही ही आक्रामक रुख अपना कर गेंदबाजों पर दबाव डालता है क्योंकि वह बाउंड्री लगाता रहता है। उसने अपने क्रिकेट को इसी तरह तैयार किया है।

हार्मिसन ने बुमराह और शमी की जमकर प्रशंसा की

विशाखापत्तनम । इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा की है। हार्मिसन के अनुसार उन्हें इन दोनो को गेंदबाजी करते हुए देखना पसंद है। इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार शमी ओर बुमराह के शानदार कौशल के कारण ही भारतीय टीम कठिन हालातों में भी एक बेहतर टीम बनकर उभरी है। शमी हालांकि टखने की चोट के कारण अभी तक इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में नहीं नहीं खेल पाए हैं। वहीं बुमराह ने रिवर्स स्विंग के जरिये दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त किया। इस मैच में बुमराह ने घरेलू धरती पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए शानदार गेंदबाजी की। हार्मिसन ने कहा, 'ये दोनों ही शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। यह उनके स्तर को दिखाता है। यदि आपके पास बेहतरीन कौशल है तो आप मुकाबले में बने रहेंगे, यही एंडरसन और बुमराह के पास है। ये दोनो ही अविश्वसनीय गेंदबाज हैं। भारत में केवल एक टेस्ट खेलने वाले हार्मिसन कमेंटरी के लिए यहां आए हैं। वह सिराज की गेंदबाजी के भी प्रशंसक हैं। हार्मिसन जब खेलते थे तब भारत के पास अब की तरह विश्व स्तरीय तेज गेंदबाज नहीं थे और हार्मिसन भारत में तेज गेंदबाजी के तेजी से विकास को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'बुमराह, शमी और यहां तक कि सिराज का कौशल शानदार है। मुझे उन्हें गेंदबाजी करते देखना पसंद है। उनके पास एक शानदार गेंदबाजी आक्रमण, शानदार स्पिन आक्रमण और सीम गेंदबाज हैं जो दुनिया में कहीं भी कहर ढ़ा सकती है। यही कारण है कि वे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक हैं।

पूर्व पाक कप्तान बोला, पीसीबी में इस कारण काम नहीं करना चाहते कोच

कराची ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के तौर तरीकों की आलोचना करते हुए कहा है कि वह दूर तक की नहीं सोचती। इसी कारण उसे विदेशी ही नहीं देशी कोच भी नहीं मिल रहे। मिस्बाह साल 2019 से 2021 के बीच पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता रहे थे। उन्होंने इस पर भी नाराजगी जतायी कि पाकिस्तान क्रिकेट में खिलाड़ियों और कोचों को एक या दो श्रृंखलाओं में खराब प्रदर्शन के आधार पर हट दिया जाता है। इसके अलावा बोर्ड के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव के कारण भी उन्हें हटाया जाता है। एक स्थानीय टूर्नामेंट में हैदराबाद फ्रेंचाइजी को कोचिंग दे रहे मिस्बाह ने कहा कि अगर आप बोर्ड की नीतियों को देखें तो विदेशी कोच ही नहीं बल्कि हमारे स्थानीय कोच भी पीसीबी के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को इतने अव्यवस्थित तरीके से चलाया जाना ठीक नहीं है। इसी जगह हमें टीम प्रबंधन, चयनकर्ताओं और खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बनानी चाहिये थी। निराशाजनक बात ये है कि पीसीबी बोर्ड में बदलाव का प्रभाव नीचे तक पड़ता है जो सही नहीं है। ऐसे में खिलाड़ी अपनी जगह को असुरक्षित मानते हुए दबाव में खेलते हैं जिससे उनका श्रेष्ठ प्रदर्शन उभरकर सामने नहीं आता। इसके अलावा खिलाड़ी टीम गेम की जगह पर व्यक्तिगत खेल पर ज्यादा ध्यान देने लगते हैं।

रोहित ने पकड़ा ओली का शानदार कैच

विशाखापत्तनम ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 36 साल के हो गये हैं पर उनकी फिटनेस अब भी शानदार बनी हुई है। रोहित भले ही इस सीरीज में अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं पर पर उन्होंने शानदार क्षेत्ररक्षण और कप्तानी की है। यहं दूसरे टेस्ट के चौथे दिन उन्होंने स्लिप में एक ऐसा कठिन कैच पकड़ा जिसे देखकर सभी हैरान रह गये। रोहित ने स्लिप में इस कैच को पकड़ने में केवल 0.45 सेकेंड का समय लिया। ये कैच इसलिए भी अहम है क्योंकि ये उसी ओली पोप का था जिसने भारत के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट की दूसरी पारी में 196 रन बनाकर भारतीय टीम के हाथों से मैच छीन लिया था। ओली जब आउट हुए तब वह 23 रनों पर खेल रहे थे। उन्हें रोहित ने आर अश्विन की गेंद पर कैच किया। ओली के आउट होते ही भारतीय खेमे में खुशी की लहर छा गयी। इससे पहले इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में यशस्वी जायसवाल के 209 रन की बदौलत 396 रन बनाये जबकि दूसरी पारी में शुभमन गिल के शतक की सहायत से 255 बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 399 रनों का लक्ष्य दिया।

जून में टी20 विश्वकप जीत सकती है भारतीय टीम : कर्स्टन

केपटाउन । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने कहा है कि भारतीय टीम इसी साल जून में होने वाले टी20 विश्वकप को जीतने में सक्षम है। कर्स्टन के कोच रहते ही भारतीय टीम ने 2011 में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। भारतीय टीम एक दशक से कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। इस पूर्व कोच का मानना है कि भारतीय टीम इस इंतजार को खत्म करने में सक्षम है और शायद इसी साल टी20 विश्व कप में वह जीत हासिल कर लेगी। भारतीय टीम के साथ 2008 से 2011 तक मुख्य कोच रहे कर्स्टन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि विश्व कप जीतना आसान है। बिलकुल भी नहीं। ऑस्ट्रेलिया ने जरूर दूसरी टीमों की तुलना में इसमें जीतने में की कला सीखी है पर भारतीय टीम भी विश्व कप में शीर्ष पर पहुंचने में सक्षम है। उन्होंने कहा, 'मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं होगी अगर भारतीय टीम जल्दी ही इस कमी को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के विश्व कप जीतने की संभावन है क्योंकि उसके पास ऐसा करने की क्षमता रखने वाले खिलाड़ी हैं। साथ ही कहा कि कप जीतने के लिये बहुत कुछ सही होना जरूरी है क्योंकि नॉकआउट मैचों में जिनमें कुछ भी संभव है।

रघुराम अय्यर आईओए के सीईओ बने रहेंगे : उषा

नई दिल्ली ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने कहा है कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर नियुक्त किये गये रघुराम अय्यर को वह नहीं हटाएंगी। दिग्गज एथलीट रही उषा के अनुसार उन्हें अय्यर की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। साथ ही कहा कि उनकी नियुक्ति के लिए उन्होंने किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं डाला था। वहीं कहा जा रहा है कि अय्यर को नियुक्त करने से आईओए कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्य खुश नहीं हैं और वे एक निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। इसमें सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति को अमान्य करार दिया जाएगा। इससे पहले आईओए ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के लगातार दबाव को देखते हुए गत माह छह जनवरी को इंडियन प्रीमियर लीग टीम राजस्थान रॉयल्स के पूर्व अधिकारी अय्यर को सीईओ नियुक्त किया था पर उनकी नियुक्ति के कुछ सप्ताहों के अंदर ही कार्यकारी परिषद में नाराजगी कायम हो गयी। कई सदस्यों ने कहा कि उषा ने सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति के लिए उन पर अनावश्यक दबाव बनाया था।

वहीं उषा ने इन आरोपों को गलत बताया था। कार्यकारी परिषद के 15 में से लगभग 12 सदस्यों ने तब कहा था कि अय्यर की नियुक्ति के लिए शीर्ष संस्था ने मंजूरी नहीं ली गयी थी। वहीं इस आरोप को खारिज करते हुए उषा ने कहा, 'जब आप सही काम कर रहे होते हैं तो फिर चिंता नहीं करनी चाहिये। एक समारोह में उषा से सीईओ प्रकरण पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, 'सीईओ काम कर रहे हैं। मैं पहले ही सही तरीके से नियुक्ति कर चुकी हूं और वह काम कर रहे हैं। वहीं यह पूछे जाने पर कि क्या कार्यकारी परिषद के कई सदस्यों के कथित तौर पर उन्हें हटाने की इच्छा के बावजूद क्या वह अपना सामान्य कामकाज कर सकेंगे, उषा ने कहा, '' सौ

फीसदी वह अपने पद पर बने रहेंगे। वह काफी अच्छे सीईओ हैं। उन्होंने कहा, ''हम हमेशा चाहते थे कि आईओए में सीईओ पद पर एक प्रसिद्ध व्यक्ति अधिकारी हो जिससे खेलों के विकास में बड़े पैमाने पर सहायता मिल सकती है। मैं इसी तरह से सोच रही हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे सीईओ पर भरोसा है और वह अब जो कुछ भी कर रहे हैं, उस पर मुझे भरोसा है। इस समारोह में उषा को 'लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। वह लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार पाने वाली पांचवीं खिलाड़ी हैं।

एफआईएच प्रो लीग में नीदरलैंड ने भारतीय महिला हॉकी टीम को हराया

भुवनेश्वर । भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को इस मुकाबले में नीदरलैंड ने 1-3 से हराया। इस मुकाबले में नीदरलैंड की ओर से यिब्बी जानसन ने तीसरे ओर 34 मिनट में गोल किये। वहीं फे वैन डेर एल्स्ट ने 21 वें मिनट में एक गोल दागा। वहीं भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल नवनीत कौर ने खेल की शुरुअत में ही 9 वें मिनट में दाग दिया। जानसन ने डच टीम को शुरुआत में ही बढ़त दिला दी। इसके बाद भारत की नवनीत ने एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। दूसरा क्वार्टर शुरू होते ही नीदरलैंड ने टीम ने हमला बोला पर वह गोल में सफल नहीं हुई। तब पिएन डिके का शॉट पोस्ट से टकराकर दूर चला गया। पहले हाफ के समाप्त होने तक स्कोर 2-1 रहा।नीदरलैंड ने तीसरे क्वार्टर में भारत पर दबाव बनाया जिसका लाभ उसे मिला और पेनल्टी कॉर्नर के जरिये जानसन ने गोल कर अपनी टीम को 3-1 की बढ़त दिला दी। चौथे क्वार्टर में खेल लंबा खिंच गया और दोनों टीमों ने लगातार अवसर हासिल किये पर वे गोल नहीं कर पायीं।

जवां रहें हमेशा

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं की युवा दिखने की इच्छा भी उसी रफ्तार से बढ़ने लगती है। वे तीस की उम्र में बीस की दिखना चाहती हैं, चालीस की उम्र में तीस की और पचास की उम्र में चालीस की। क्या सचमुच ये संभव है? और वे कौन-सी चीजें हैं जो महिलाओं को उम्र दर उम्र युवा बनाए रख सकती हैं?

हमेशा जवां दिखने की इच्छा यों तो हर इंसान में होती है, लेकिन महिलाओं में यह इच्छा कुछ ज्यादा ही प्रबल होती है। कभी मेकअप से, कभी कपड़ों से तो कभी अपने व्यवहार से खुद को युवा बनाए रखने का प्रयास लगातार जारी रहता है। कभी उनका यह प्रयास सफल होता है और कभी इसका असर उल्टा पड़ जाता है। वास्तव में महिलाओं की उम्र चार चीजों से झलकती है। वे कैसा मेकअप करती हैं, उनकी ड्रेसिंग कैसी है, उनका खानपान किस तरह का है और उनका व्यवहार क्या है। आइये जानें कि उम्र के अलग-अलग पड़ावों पर आप किस तरह खुद को युवा बनाए रख सकती हैं –

तीस की उम्र में बीस की चाहत

बेशक तीस साल की महिलाओं को युवा ही माना जाता है, लेकिन फिर भी तीस की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उम्र अपना असर दिखाने लगती है। और इसी उम्र में यह इच्छा पैदा होती है कि आप खुद को बीस साल की युवती की तरह दिखाएं, यानी देखने वाले को आपकी उम्र का जरा भी इल्म ना हो। अगर आप अपनी उम्र को दस साल पीछे धकेलना चाहती हैं तो आपको इन चार बातों पर खास ध्यान देना होगा।

आपकी ड्रेसिंग हो जवां

महिला की उम्र की चुगली करने में सबसे पहले ड्रेसिंग आती है। यानी आपकी ड्रेसिंग से ही इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि आपकी उम्र क्या है। तो तीस की उम्र में बीस का दिखने के लिए ड्रेसिंग कैसी होनी चाहिए? फैशन डिजाइनर निकेत कहते हैं, उम्र चाहे कोई भी हो अपने शरीर की संरचना के हिसाब से ही कपड़ों का चुनाव करना चाहिए। आप घुटने तक लंबी स्कर्ट, लंबी कुर्ती और स्लीव के साथ कॉरसेट को अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। अपने कपड़ों के लिए सूती और खादी के फैब्रिक का चुनाव करें। इस उम्र में साड़ी भी एक अलग लुक देती है। आप क्रेप, कॉटन, सिल्क, खादी, वीवर जैसे फैब्रिक की साडियां पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक यंग और मेच्योर नजर आएगा। रंगों में भी आपको डार्क रंगों को चुनाव करना चाहिए।

मेकअप बोलेगा कितनी यंग हैं आप

मेकअप आर्टिस्ट नैना अरोड़ा बताती हैं कि तीस की उम्र में आपकी स्किन चमकदार और टाइट होती है। ऐसे में मेकअप के साथ प्रयोग किए जा सकते हैं। अपनी त्वचा की रंगत और त्वचा की प्रकृति को ध्यान में रखकर ही अपने लिए मेकअप का चुनाव करें। ट्रेंड को आंख मूंदकर अपनाने की जगह, ऐसा मेकअप करें जो आपके ऊपर अच्छा दिखे। मेकअप करने के लिए आप गहरे रंगों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

खानपान के समझें इशारे

बीएलके अस्पताल की चीफ डाइटिशियन सुनीता रॉय चौधरी का कहना है कि तीस की उम्र में बीस का दिखने के लिए एक्सरसाइज करें। हर दिन टहलें, साइकलिंग और जॉगिंग भी करें। ताजा और ज्यादा फाइबर वाला खाना आपको जवां रखने में मदद करेगा।

युवा हो आपका व्यवहार

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉक्टर नीलम कुमार बोहरा का मानना है कि तीस की उम्र में महिलाओं को तनाव का सामना सबसे ज्यादा करना होता है। घर, परिवार और ऑफिस की कई जिम्मेदारियां तनाव को और बढम देती हैं। यह तनाव चेहरे से झलकने लगता है। तनाव से दूर रहने और युवा दिखने के लिए छोटे- छोटे लक्ष्य बनाएं, सकारात्मक दोस्त बनाएं, ना कहना सीखें और नये रिश्तों को समझदारी और व्यवहारिकता के साथ संभालें।

चालीस की उम्र रहिए प्यार में

ड्रेसिंग को भी दें महत्व – चालीस की उम्र, वह पड़ाव है जब आप उम्र के दोराहे पर खड़े होते हैं। ऐसे में युवा दिखने के लिए कपड़ों में फ्यूजन को अपनाएं। कफ्तान स्टाइल के ट्यूनिक, लॉन्ग जैकेट और वेस्ट कोट पहनें। रंगों के चुनाव में हल्के और गाढ़े के साथ पेस्टल रंगों का चुनाव करें।

मेकअप बोलेगा, आपकी उम्र का राज नहीं खोलेगा – 40 की उम्र में आपके चेहरे पर फाइन लाइंस और बढ़ती उम्र के निशान दिखने लगते हैं। इसलिए इस उम्र में मेकअप का चुनाव बहुत सोच-समझ कर करना चाहिए। अपने व्यक्तित्व, रंग और स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए मेकअप करें।

खाना यानी उम्र छिपाना – 40 की उम्र में आमतौर पर महिलाओं का लाइफस्टाइल काफी बदल जाता है। महिलाओं का वजन भी बढ़ जाता है। इस उम्र में भी खुद को जवां रखने के लिए अपने लाइफ स्टाइल को सक्रिय बनाएं। तीन बड़े और तीन छोटे मील लें। ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ युक्त डाइट जैसे जूस, लस्सी, दूध, दही, फल, सलाद आदि लें। चाय-कॉफी से दूर रहें।

नये शौक बदलेंगे आपका व्यवहार – सकरात्मक सोच रखें। यह सोच आपको युवा रखने में मदद करेगी। अगर आपके कुछ पुराने शौक हैं तो यह उम्र है उन्हें बढ़ाने और पूरा करने की। अगर शौक नहीं है तो आप नए शौक पैदा करें। नए दोस्त बनाएं, समारोह में हिस्सा लें और उम्र को खुद पर हावी न होने दें।

50 में खुद से करना सीखें प्यार

अब भी अहम है ड्रेसिंग – 50 की उम्र तक आते-आते आपकी उम्र कहीं ना कहीं झलकने लगती है। ऐसे में आपके कपड़े आपकी उम्र के राज को छुपाने में काफी मददगार साबित होते हैं। इस उम्र में ट्रेंडी, फैशनेबल और युवा दिखने के लिए लंबे एंकल लैंथ के ट्यूनिक पहनें। लंबे प्लाजो और टयूनिक के साथ स्कार्फ का विकल्प भी अच्छा है। इस उम्र में रंगों का चुनाव करते वक्त ध्यान रखें। हल्के रंग इस उम्र में भी आपको जवां दिखने में मदद कर सकते हैं।

मेकअप, जरा सावाधानी से – 50 की उम्र में मेकअप के लिए खासा सावधान रहने की जरूरत होती है। ज्यादा मेकअप आपके चेहरे की पतली रेखाओं में भर जाता है, जिससे चेहरे की झुर्रियां और स्पष्ट नजर आने लगती हैं। इसलिए इस उम्र में हल्का और लिक्विड मेकअप इस्तेमाल करें। मैट और हल्के रंगों का ही चुनाव करें। ज्यादा ग्लॉसी या गाढ़े रंगों से दूर रहें। आईलाइनर पेंसिल वाला इस्तेमाल करें और आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए मस्कारा जरूर लगाएं।

जरूरी है इस उम्र में सही डाइट – 50 की उम्र तक आप हड्डियों और दिल की बीमारियों का शिकार होने लगती हैं। इस उम्र महिलाओं में फीमेल हार्मोन भी कम हो जाते हैं। ऐसे में उम्र की झलक दिखाई देने लगती है। लेकिन सही खान-पान और व्यायाम आपको इस उम्र में भी युवा दिखने में मदद करते हैं। ओट्स, व्हीट फ्लैक्स, स्प्राउट, ताजे फल जैसे पपीता, तरबूज उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं। हल्का और तरल आहार लें। समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट करवाती रहें। साथ ही हल्का व्यायाम भी करें।

खुद पर दें ध्यान

यह उम्र खुद से प्यार करने की है। यह ना सोचें कि आपने जो करना था सो कर लिया, और अब इस उम्र में क्या करना? वास्तव में यही वह उम्र है, जब आपको अपने बारे में सोचना चाहिए। अपनी निजी जिंदगी पर ध्यान दें, बच्चों को उनकी लाइफ एन्ज्वॉय करने दें और आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जिएं। नई चीजों के लिए पहल करें, हंसी-मजाक करें और घूमने-फिरने के लिए बाहर जाएं। बेशक उम्र का असर इंसान के शरीर पर होता ही है, लेकिन एक बात मान कर चलें कि उम्र सिर्फ एक मनःस्थिति है। लिहाजा उम्र को अपने मन- मस्तिष्क पर हावी न होने दें। उम्र को परास्त करने के लिए और हमेशा युवा दिखने का एकमात्र यही मंत्र है। खुश रहें और युवा दिखें।

बढ़ता क्रेज नियॉन मेकअप का

अगर हम कपडों में भडकीले रंगों का प्रयोग कर सकते हैं तो मेकअप में क्यों नहीं! अगर सही तरीका मालूम हो तो प्रयोग करने में कोई गुरेज नहीं है। इस सीजन में नियॉन मेकअप में आई शैडेज और होंठों के लिए हॉट पिंक, पीच या नारंगी रंग का खुलकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

आई शैडोज में लाइम ग्रीन, फिरोजा और कलर्ड लाइनर के साथ प्रयोग आसानी से किया जा सकता है। सही तरीका हमेशा त्वचा की रंगत को ध्यान में रखकर रंगों का चयन करें। गोरी रंगत पर कोई नियॉन शेड फबता है और इसका बखूबी प्रयोग किया जा सकता है। जबकि गेहुएं और सांवली रंगत पर वॉर्म टोन जैसे ऑरेंज-पीच ब्लश चलते हैं। गहरी रंगत पर चटख शेड के लिप कलर्स मसलन शॉकिंग पिंक बहुत अच्छे लगते हैं।

- कोई भी मेकअप करने से पहले त्वचा को नमी पहुंचाना जरूरी है। मॉयस्चराइजर लगाने के बाद प्राइमर लगाएं। इसके फाउंडेशन लगाने के बाद त्वचा चमकदार दिखती है।
- इसके बाद दाग-धब्बों को छिपाने के लिए कंसीलर लगाएं। त्वचा की रंगत से एक शेड गहरा फाउंडेशन का हलका टच दें।
- इस बात का ध्यान रखें कि अगर आंखों पर बोल्ड आई शैडो का इस्तेमाल कर रही हैं तो होंठों और गाल (चीक्स) के मेकअप के लिए मीडियम शेड चुनें।
- अगर आई शैडो भूरे या बेज रंग का है तो होंठों पर कोरल शेड की लिपस्टिक लगाएं।
- नियॉन मेकअप के साथ सफेद, काले, बेज और सलेटी रंग के परिधान जंचते हैं।
- इस मेकअप के साथ हेयरस्टाइल में ट्रेंडी ब्रेड, साइड ब्रेडिंग या साइड पोनीटेल बहुत अच्छी लगती है।

ग्लैमरस और ब्यूटीफुल है ब्लैक

सही ड्रैस का चुनाव जितना महत्वपूर्ण है उतना ही खास है कलर सिलैक्शन। फैशन की दुनिया में कलर्स की भी बहुत ज्यादा अहमियत होती है। कलर की बात हो तो सबसे ज्यादा ग्लैमरस और ब्यूटीफुल है ब्लैक...परफैक्ट ड्रैस वह है जो दिखने में आकर्षक, पहनने में कम्फर्टेबल, स्टाइलिश और फैशन के अनुसार हो और साथ ही आप में कॉन्फिडैंस भी जगाती हो। आपकी ड्रैसिंग सैंस आपकी इमेज को भी जाहिर करती है।

हमें हमेशा यही कन्फ्यूजन बना रहता है कि कौन-सा कलर और ड्रैस पहनें कि हर तरफ बस हम ही छा जाएं और सभी सिर्फ हमारे ही ड्रैसिंग सैंस की तारीफ करें। सही ड्रैस का चुनाव जितना महत्वपूर्ण है उतना ही खास है कलर सिलैक्शन। फैशन की दुनिया में कलर्स की भी बहुत ज्यादा अहमियत होती है। कलर की बात हो तो सबसे ज्यादा ग्लैमरस और ब्यूटीफुल है ब्लैक...परफैक्ट ड्रैस वह है जो दिखने में आकर्षक, पहनने में कम्फर्टेबल, स्टाइलिश और फैशन के अनुसार हो और साथ ही आप में कॉन्फीडैंस भी जगाती हो। आपकी ड्रैसिंग सैंस आपकी इमेज को भी जाहिर करती है। आपके ड्रैसिंग स्टाइल से ही आपके टेस्ट और सोच के बारे में लोग अनुमान लगाते हैं। कोई भी शख्स आपके पहनावे से ही आपका पहला इम्प्रैशन लेता है। आप अगर लोगों को अपनी ड्रैसिंग सैंस का कायल बनाना चाहती हैं तो उन्हें इम्प्रैस करने के लिए सही ड्रैस और स्टाइल का चुनाव करना बेहद जरूरी है। चाहे कॉलेज गोइंग हों या वर्किंग वूमन, सभी स्मार्ट और प्रैजेंटेबल दिखना चाहती हैं। इसके लिए आपको महंगे ब्रांडेड कपड़ों के पीछे दौडऩे की जरूरत नहीं है, आप वही खरीदें, जो ट्रैंड में चल रहा हो और आप पर जंचे। कम खर्च में आप अच्छी लगें तो क्या कहना। फैशन और ट्रैंड का जिक्र आते ही जो पहला कलर जेहन में आता है वह है ब्लैक। सीजन कोई भी हो, फैशन के चाहवानों की चाहत ब्लैक के लिए कभी कम नहीं होती है। फैशनपरस्त लोगों की पहली पसंद इन दिनों ब्लैक कलर की ड्रैसेस बन चुकी है। ब्लैक कलर हॉट फैशन स्टेटमैंट बन चुका है। शादी, रिसैप्शन, डांस पार्टी, कॉकटेल पार्टी, बर्थडे पार्टी या फिर कोई फैमिली फंक्शन हो, सभी जगह ब्लैक का ही जादू छा रहा है। ब्लैक ऐसा कलर है जो फॉर्मल और कैजुअल दोनों मौकों पर पहना जा सकता है। ब्लैक की खासियत है कि ट्रैंड और स्टाइल भले ही चेंज हो जाएं पर ब्लैक कभी आऊटडेटेड नहीं होता। जिन लड़कियों का रंग गोरा है, वे तो ब्लैक में और भी कयादा खूबसूरत दिखती हैं। ब्लैक कलर पहनने से दुबले दिखाई देते हैं, क्योंकि डार्क कलर पर लाइट रिफ्लैक्शन होता है इसलिए भी ब्लैक कलर का क्रेज सभी ऐज ग्रुप्स में सबसे ज्यादा देखने को मिलता है।

पार्टी वियर

आप को कभी भी अचानक किसी पार्टी में जाना पड़ सकता है इसलिए आप अपनी वॉर्डरोब में एक ब्लैक कलर का ड्रैस जरूर रखे। पार्टी वियर में तो ज्यादातर लोग ब्लैक कलर ही पसंद करते हैं। ब्लैक ग्लैमरस पार्टी कलर है इसलिए यह कलर किसी भी पार्टी में जाने के लिए फिट है। अगर आप नाइट लाइफ पर्सन हैं तो ब्लैक कलर आपके लिए बैस्ट है। यह आप पर सबसे ज्यादा सूट करेगा। वैसे तो ब्लैक ड्रैस में ही आप ग्लैमरस दिख सकती हैं लेकिन अगर आप ज्यादा हॉट एंड सैक्सी लुक चाहती हैं तो स्लैश और फॉल नैक को हाफ कट स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। ब्लैक में आप अगर इंडियन ड्रैस पहनना चाहती हैं तो वर्क वाली साडियों और डिजाइनर सूट्स एवं कुर्तियों की मार्कीट में खूब भरमार है। अगर आप स्लिम हैं तो ब्लैक शॉर्ट आऊटफिट पहन कर आप बन जाएगी सैक्सी बेब।

प्रोफैशनल वियर

अगर आप प्रोफैशनल हैं तो भी ब्लैक आपके लिए उपयुक्त कलर है। ऑफिस वियर में आप ब्लैक ट्राऊजर और साथ में व्हाइट, रैड, ग्रीन, ब्ल्यू, लैमन, पिंक, मोव किसी भी एलीगैंट कलर की शर्ट्स पहन सकती हैं। जब मौका हो किसी स्पैशल प्रैजेंटेशन का या इम्पॉर्टैंट मीटिंग का, तब आप ब्लैक एग्जीक्यूटिव स्कर्ट और ब्लेजर पहनकर सबको अपने काम के साथ-साथ अपने स्टाइल से भी इम्प्रैस कर सकती हैं।

एक्सैसरीज

एक्सैसरीज आपको सैंसेशनल लुक देती हैं। खूबसूरत और मौके के अनुसार पहनी हुई एक्सैसरी आपकी लुक में स्टाइल जोड़ती है और व्यक्तित्व को उभारती है। आप ब्लैक के साथ ब्लैक के विभिन्न शेड्स की एक्सैसरीज भी इस्तेमाल कर सकती हैं और कन्ट्रास्ट कलर्स की भी। यदि आप किसी फंक्शन में जा रही हैं और बैकलैस ड्रैस पहन रही हैं तो बैक पर टैटू बनवा सकती हैं। अगर आपकी ड्रैस का नैक डीप है तो गले में एक बड़ा स्टोन पैंडैंट पहन सकती हैं। इसे पतली चेन या ट्रांसपेरैंट थ्रैड में पहनें तो बढिय़ा लगेगा। ब्लैक ड्रैस के साथ आप पर्ल या स्टोन की हल्की ज्यूलरी कैरी कर सकती हैं। ऑफिस के लिए ब्लैक पर्ल अच्छा ऑप्शन है, तो पार्टी में स्टोन ज्यूलरी ट्राई करें।

हैंडबैग

पर्स रखना फैशन से ज्यादा जरूरत बन चुका है। ऑफिस के लिए ब्लैक लैदर हैंडबैग सही रहता है। खूबसूरत ब्लैक पर्स आपके लुक को और आकर्षक बना देगा। इसमें आप अपना जरूरी सामान भी कैरी कर सकती हैं और साथ ही ये देखने में गुड लुकिंग भी होते हैं। ईवनिंग फंक्शंस में क्लासी बैग न सिर्फ पॉलिश्ड लुक देगा बल्कि आपकी लुक को भी डायनामिज्म प्रदान करेगा।

फुटवियर

ऑफिशियल आऊटफिट्स के साथ लैदर के ब्लैक शूज या ब्लैक बैलीज कंफर्टेबल रहती हैं और सुंदर भी दिखती हैं। साड़ी या सूट जैसी इंडियन ड्रैस के साथ खूबसूरत स्टोन या एम्ब्रॉयड्री वाले फुटवियर आपके लुक को और ग्लैमरस और एलिगैंट बना देंगे। वैस्टर्न शॉर्ट ड्रैसेज के साथ ब्लैक कलर के हाई हील्स या डिजाइनर सैंडल आपको हॉट लुक देंगे।

जर्मनी में यहूदी छात्र की पिटाई, अस्पताल में भर्ती

बर्लिन । जर्मनी के बर्लिन शहर एक कॉलेज छात्र ने इजराइल–हमास संघर्ष पर बहस से आक्रोशित होकर अपने एक यहूदी सहपाठी की पिटाई कर दी, जिसके बाद यहूदी छात्र को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया 30 वर्षीय यहूदी छात्र एक परिचित के साथ बर्लिन के नजदीक मित्ते गया था, तभी मुलाकात विश्वविद्यालय के 23 वर्षीय साथी छात्र से हुई। पुलिस ने बताया कि 23 वर्षीय छात्र फलस्तीन समर्थक है जबकि 30 वर्षीय यहूदी छात्र ने इजराइल के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया था। जिसके बाद दोनों की इस मुद्दे पर तीखी बहस हुई। पुलिस के मुताबिक, बहस से उग्र हुए 23 वर्षीय छात्र ने 30 वर्षीय यहूदी छात्र के चेहरे पर तब तक घूंसे मारे जब तक कि वह जमीन पर गिर नहीं गया। संदिग्ध ने यहूदी छात्र के जमीन पर गिरने पर लात से भी वार कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को चेहरे पर फैक्चर आए हैं और अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन वह खतरे से बाहर है। पुलिस ने बर्लिन के शोनबर्ग स्थित संदिग्ध के आवास की तलाशी ली और उसके स्मार्टफोन सहित अन्य सबूत एकत्र किए। मामले की जांच की जा रही है।

लिसिचांस्क शहर में बेकरी पर हमला, 28 लोगों की मौत

मॉस्को । रूस के नियंत्रण वाले लिसिचांस्क शहर में एक बेकरी पर हुए यूक्रेन के हमले में करीब 28 लोगों की मौत हो गई। रूसी अधिकरियों ने इसकी जानकारी दी। इस हमले में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आपात सेवा कर्मियों ने मलबे के अंदर से 10 लोगों को बाहर निकाला है। वहीं, कीव में यूक्रेन के अधिकारियों ने इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ईरान समर्थित लड़ाकों ने हमला किया तो अमेरिका की सेना देगी मुंहतोड़ जवाब

वाशिंगटन । अमेरिका ने कहा कि यदि ईरान समर्थित लड़ाकों ने फिर से हमला किया तो अमेरिका की सेना उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी। बता दें कि अमेरिका ने शनिवार को ही ब्रिटेन के साथ मिलकर यमन में हूती विद्रोहियों के 36 ठिकानों पर हमले किए हैं। हूती विद्रोही इस्राइल हमास युद्ध के बाद से ही अमेरिकी ठिकानों और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट पर लाल सागर और अरब सागर में हमले कर रहे हैं। अब अमेरिका ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान या उसके समर्थित लड़ाकों ने अमेरिकी सेनाओं पर फिर हमले किए तो उनका भी सख्ती से जवाब दिया जाएगा। हालांकि अमेरिका ने साफ किया कि वह पश्चिम एशिया में एक और लड़ाई शुरू करने के पक्ष में नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने मीडिया से कहा कि हम किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। दरअसल बीती 28 जनवरी को जॉर्डन में अमेरिका के सैन्य ठिकाने पर ईरान समर्थित लड़ाकों ने हमला किया था। इस हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। यह ड्रोन हमला इराक में ईरान समर्थित लड़ाकों ने किया था। हालांकि ईरान ने बयान जारी कर दावा किया था कि इस हमले में उसका कोई हाथ नहीं है और लड़ाकों ने खुद यह हमला किया है। इस पर सुलिवन ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन नहीं चाहते कि पश्चिम एशिया में एक और लड़ाई छिड़े, लेकिन अगर अमेरिका के सैनिकों या नागरिकों पर हमला होगा तो हम सख्ती से उनका जवाब देंगे। ईरान समर्थित लड़ाकों को शांत करने के लिए उनके खिलाफ कई और कदम उठाए जाएंगे।

चिली के जंगल में लगी आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 112 हुई

चिली । मध्य और दक्षिण क्षेत्र में 92 जंगलों में आग लगी है। बड़ी चिंता है कि आग घनी आबादी वाले क्षेत्रों की ओर फैल रही है। इससे लोगों, घरों और सुविधाओं के प्रभावित होने की चिंता बढ़ गई है। दक्षिण अमेरिकी देश चिली के जंगलों में आग भड़कने से 112 लोग मारे गए, जबकि 1100 से ज्यादा घर राख हो गए। आपाकालीन सेवा विभाग हेलिकॉप्टर व ट्रकों की मदद से शहरी इलाकों में आग बुझाने का प्रयास कर रहा है। बड़ी संख्या में लोग झुलस गए हैं, जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। लगभग 10 लाख की आबादी वाले मध्य चिली के वालपराइसो क्षेत्र के कई हिस्सों में काला धुआं फैला हुआ है। बताया जा रहा हैं कि तटीय शहर वीना डेल मार के आसपास के इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। गृह मंत्री कैरोलिना टोहा ने कहा, वालपराइसो की स्थिति सबसे ज्यादा भयावक है। सड़कों पर भी लोगों के शव मिल रहे हैं। वर्ष 2010 के भूकंप के बाद चिली में यह सबसे बड़ी आपदा है। तब भूकंप के कारण लगभग 500 लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने कहा कि स्थिति बहुत नाजुक है। फिलहाल आग 43 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फैल चुकी है। भीषण आग ने शहर के पहाड़ी इलाके विला इंडिपेंडेंसिया को भी अपनी चपेट में ले लिया है। सड़कों पर जली हुई कारें खड़ी दिखाई दे रही हैं। मध्य और दक्षिण क्षेत्र में 92 जंगलों में आग लगी है। पिछले साल यहां रिकॉर्ड गर्मी के दौरान लगी आग में 27 लोगों की मौत हो गई और 400,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि प्रभावित हुई थी।

पाकिस्तान में आतंकियों को उम्मीदवार बना दिया, हाफिज के रिश्तेदार लडेंगे चुनाव

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान में 8 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में आतंकियों को उम्मीदवार बना दिया गया है। जानकारी के अनुसार मुस्लिम लीग नाम की एक नई राजनीतिक पार्टी चुनाव में भाग लेगी। इस राजनीतिक दल को 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठनों का एक नया चेहरा माना जाता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संगठन द्वारा पाकिस्तान के विभिन्न शहरों से नामांकित कुछ उम्मीदवार ऐसे हैं जो या तो हाफिज सईद के रिश्तेदार हैं या अतीत में प्रतिबंधित लश्कर–ए–तैयबा, जमात–उद–दावा या मिल्ली मुस्लिम लीग से जुड़े रहे हैं। दरअसल पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालतों ने टेरर फंडिंग के कई मामलों में हाफिज सईद को कुल 31 साल की सजा सुनाई है। वह फिलहाल लाहौर की एक जेल में बंद है। उसे 10 दिसंबर 2008 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादियों की सूची में शामिल किया गया था। पाकिस्तान ने लश्कर–ए–तैयबा, जमात–उद–दावा और उसके सहयोगी दलों और संस्थानों को भी सूचीबद्ध किया है, जिनमें खैर नास इंटरनेशनल ट्रस्ट, फलाह इंसानियत फाउंडेशन, अल–अनफाल ट्रस्ट, खमताब खालिक इंस्टीट्यूशन, अल–दावत अल–अरशद, अल–हमद ट्रस्ट, अल–मदीना फाउंडेशन और म्यू अज़ बिन जबल एजुकेशनल ट्रस्ट प्रतिबंधित संगठनों की सूची में शामिल हैं। बताया जा रहा है कि हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद भी इस बार चुनाव लड़ रहा हैं। पार्टी के एक प्रवक्ता ने सईद के संगठनों के साथ किसी भी तरह के जुड़ाव से इनकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद मरकजी मुस्लिम लीग पार्टी से चुनाव में भाग ले रहा है और लाहौर में नेशनल असेंबली निर्वाचन क्षेत्र एनए–122 से चुनाव लड़ रहा है। यह वही निर्वाचन क्षेत्र है जहां से पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज नेता और पूर्व संघीय मंत्री ख्वाजा साद रफीक भी चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह सईद का दामाद हाफिज नेक गुज्जर मरकजी मुस्लिम लीग के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है। पिछले दिनों जमात–उद–दावा से जुड़े कुछ लोगों ने मिल्ली मुस्लिम लीग पार्टी से 2018 के चुनाव में भाग लेने की कोशिश की थी, लेकिन पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने तत्कालीन सरकार के विरोध के बाद संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया और पंजीकरण के लिए उसके आवेदन को खारिज कर दिया। मिल्ली मुस्लिम लीग का नाम पाकिस्तान में प्रतिबंधित पार्टियों की सूची में शामिल नहीं है, लेकिन 2018 में अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने विदेश विभाग की मंजूरी से इस पार्टी को प्रतिबंधित घोषित कर दिया और इससे जुड़े सात लोगों को वैश्विक आतंकवादियों की सूची में शामिल किया। जिन लोगों को अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया था उनमें सैफुल्ला खालिद, मुजम्मिल इकबाल हाशमी, मुहम्मद हारिस डार, ताबिश कय्यूम, फैयाज अहमद, फैसल नदीम और मुहम्मद एहसान के नाम शामिल थे।

सैमसंग के प्रमुख ली जे योंग वित्तीय अपराधों से बरी

सियोल । दक्षिण कोरियाई अदालत ने शेयर मूल्यों में हेरफेर करने और 2015 में सैमसंग की दो सहायक कंपनियों के विवादास्पद विलय के संबंध में धोखाधड़ी के आरोपी सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स के चेयरमैन ली जे योंग को बरी कर दिया है। योंग पर दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी कंपनी पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए विलय कराने का आरोप था। सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैसले से सैमसंग के शीर्ष पदाधिकारी की कानूनी मुश्किलें कम हो सकती हैं। योंग को भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व राष्ट्रपति को रिश्वत देने का दोषी पाया गया था लेकिन सजा को माफ कर दिया गया था।

रियाद में सऊदी अरब के वायुसैनिक एयर शो में शामिल हुए।

ऑस्ट्रेलियाई–चीनी लेखक यांग हेंगजुन की मौत की सज़ा स्थगित

बीजिंग। ऑस्ट्रेलियाई–चीनी लेखक यांग हेंगजुन को दी गई मौत की सजा स्थगित हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार लेखक यांग हेंगजुन को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के पांच साल बाद चीनी अदालत ने मौत की सजा को निलंबित कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के मुताबिक, दो साल बाद सजा को उम्रकैद में बदला जा सकता है। डॉ. यांग जो एक विद्वान और उपन्यासकार हैं जिन्होंने चीनी मामलों के बारे में ब्लॉग किया है। वह अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार करते हैं, जिन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। यांग को 2019 में गुआंगज़ौ हवाई अड्डे पर एक अज्ञात विदेशी देश के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। लोकतंत्र समर्थक ब्लॉगर एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक है जिसका जन्म चीन में हुआ था। इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग ने सोमवार को कहा कि सरकार इस फैसले से स्तब्ध थी, और उन्होंने कैनबरा की आपत्ति दर्ज कराने के लिए चीनी राजदूत को बुलाया था। चीन में यांग की हिरासत चीनी और ऑस्ट्रेलियाई सरकारों के बीच घर्षण का एक प्रमुख बिंदु रही है। वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने लगातार और उच्चतम स्तर पर उनकी वकालत की थी। वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया डॉ. यांग के हितों और भलाई के लिए हमारी वकालत से पीछे नहीं हटेगा। सभी ऑस्ट्रेलियाई डॉ. यांग को उनके परिवार से दोबारा मिलते हुए देखना चाहते हैं। सोमवार को सामने आई सजा को औपचारिक रूप से दो साल की सजा के साथ मौत की सजा के रूप में दिखाया गया है। यह एक अपेक्षाकृत सामान्य सजा है जो दो साल के अच्छे व्यवहार के बाद मौत की सजा को 25 साल या आजीवन कारावास में बदलने की अनुमति देती है। फेंग ने कहा कि यांग की हिरासत, मुकदमा और सजा एक गंभीर अन्याय था, लेकिन डॉ. यांग खराब स्वास्थ्य के कारण अपील नहीं कर पाएंगे।

पाकिस्तान में पनाह ले रहे आतंकवादियों की सूची तैयार करे भारत,

संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों का राजनीतिकरण करने के लिए उठाना चाहिए कदम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक संसदीय पैनल ने कहा कि भारत को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के नेता हाफिज तल्हा सईद और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के नेता अब्दुल रऊफ असगर सहित चार पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों की सूची तैयार करनी चाहिए और प्रतिबंधों का राजनीतिकरण करने के लिए कदम उठाना चाहिए। संसद में पेश की गई वैश्विक आतंकवाद का मुकाबला करने पर अपनी रिपोर्ट में ने पर अपनी रिपोर्ट में, विदेश मामलों की संसदीय समिति ने कहा कि इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा, एलईटी और जेईएम जैसे क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों के साथ गठबंधन कर रहे हैं और गलत सूचना और कट्टरपंथी प्रथाओं के माध्यम से भारत में हमलों को उकसाने के लिए सांप्रदायिक तनाव के अवसर का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

2016 से इस्लामिक स्टेट तथाकथित इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) के हिस्से के रूप में जम्मू और कश्मीर में अपने क्षेत्र का विस्तार करने की असफल कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दिखाने के लिए, इस्लामिक स्टेट-कोर ने मई 2019 में विलाया हिंद की स्थापना का प्रचार जारी किया। समिति की सिफारिशें पिछले कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को मंजूरी देने के भारत और उसके पश्चिमी सहयोगियों जैसे फ्रांस और अमेरिका के प्रयासों को चीन द्वारा लगातार अवरुद्ध करने की पृष्ठभूमि में आई हैं।

2021-22 में सुरक्षा परिषद में अपने कार्यकाल के दौरान, भारत ने पांच पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों जेईएम के अब्दुल रऊफ असगर, लश्कर के अब्दुल रहमान मक्की, साजिद मीर, शाहिद महमूद और तल्हा सईद के नाम सूचीबद्ध करने के लिए यूएनएससी 1267 प्रस्तुत किए। प्रतिबंध समिति ने जनवरी 2023 में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के करीबी सहयोगी मक्की को सूचीबद्ध करने को स्वीकार कर लिया।

चुनाव से पहले पाकिस्तान में बड़ा आंतकी हमला, 10 पुलिसकर्मियों की मौत

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस स्टेशन पर बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकी हमले में 10 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। वहीं हमले में छह लोग घायल है। अब तक हमले की जिम्मेदारी किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है।

पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले चुनावों से पहले ही ये आतंकी हमला हुआ है, जिससे देश में लोगों की सुरक्षा की व्यवस्था पर भी सवालिया निशान खड़े हुए गए है। पाकिस्तान पुलिस का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में एक पुलिस स्टेशन पर हमला हुआ है। हमले में 10 लोगों की मौत हुई है। छह पुलिसकर्मी भी हमले में घायल हुए है। पुलिस का कहना है कि दरबान तहसील में सुबह तीन बजे आतंकियों ने भारी हथियारों से पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर हमला कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हमले में घायल लोगों को डीएचक्यू अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आतंकियों ने पुलिस स्टेशन को चारों तरफ से घेरा था और ग्रेनेड से हमले किए थे। आतंकियों ने पुलिस स्टेशन पर भारी गोलीबारी भी की थी।

इस घटना पर आला अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने रात के अंधेरे में ही आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई की। हालांकि पुलिस इस दौरान आतंकियों को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी और आतंकी भागने में सफल रहे। रिपोर्ट्स का कहना है कि पुलिस ने आतंकी हमले के बाद पूरे इलाके में घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाया है। पुलिस की टीमें भाग निकले आतंकियों को ढूंढने के लिए लगातार तलाशी अभियान चला रही है। पुलिस की क्विक रिएक्शन फोर्स भी घटना स्थल पर पहुंच गई है।

उनका देश भारत में ज्यादा से ज्यादा निवेश करना चाहता है: फ्रांसिस राष्ट्रपति मैक्रों

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांसिस राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें उनकी हालिया भारत दौरे की झलकियां दिखाई गई हैं। वीडियो के साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका देश भारत में ज्यादा से ज्यादा निवेश करना चाहता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर नई दिल्ली आए थे और वह 26 जनवरी को 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे।

फ्रांसिस राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि विश्व में बदलाव की पहली पंक्ति में भारत आने वाला है। उन्होंने लिखा कि भारत जैसे देश के पास लोकतांत्रिक शक्ति, जनसांख्यिकी, आर्थिक और तकनीकी शक्ति है, जिससे वह दुनिया में बदलाव की पहली पंक्ति में होगा।

उन्होंने कहा कि वह नई दिल्ली में 75वें गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे थे। मैक्रों ने कहा, हम इस तरह के एक महत्वपूर्ण और अनोखे दिन का हिस्सा बनने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे थे। यह हमेशा हमारी यादों में रहेगा। उन्होंने कहा, बीते कुछ वर्षों के दौरान हमने आपके देश के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और साझेदारियों को बढ़ाया है। हम निश्चित रूप से भारत में अधिक से अधिक निवेश करना चाहते हैं। भले ही हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं, लेकिन हम और भी बहुत कुछ कर सकते हैं। अब तक सबकुछ अच्छा है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि 2030 तक फ्रांस में तीस हजार छात्र भारत से आएं। राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से आयोजित भोज में गर्मजोशी से उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए मैक्रों ने आभार जताया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा था-फ्रांस और भारत की दोस्ती जिंदाबाद। मैक्रो ने कहा था कि दोनों देशों के बीच तालमेल अद्वितीय है और समय और साझा मूल्यों से परे है।

वहीं फ्रांसिस राष्ट्रपति मैक्रों के पोस्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैक्रों की भारत यात्रा और गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने से निश्चित तौर पर भारत-फ्रांस की दोस्ती को बढ़ावा मिलेगा। पीएम ने मैक्रों के पोस्ट को टैग कर कहा कि भारत में आपका होना सम्मान की बात है।

10 मई तक देश छोड़ देंगे भारतीय सैनिक, संसद में मुइज्जू ने फिर दोहराया भारत विरोधी रुख, विपक्ष ने किया बहिष्कार

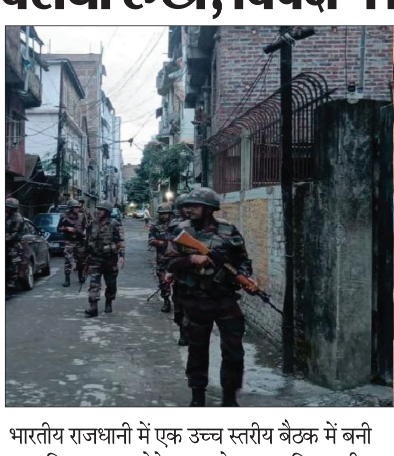

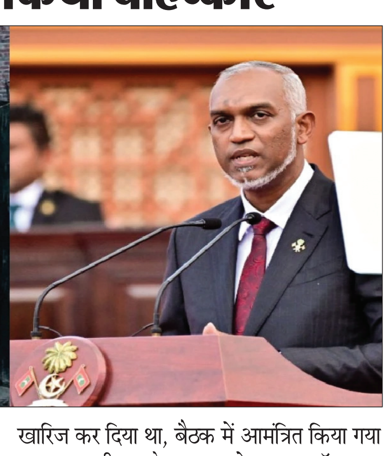

माले (एजेंसी)। अपने पहले संसद भाषण में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सोमवार को अपने भारत विरोधी रुख को दोहराते हुए कहा कि देश अपनी संप्रभुता में किसी भी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देगा। ये टिप्पणियाँ 10 मई तक मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी के लिए नई दिल्ली और माले के बीच एक समझौते का पालन करती हैं। चीन समर्थक नेता के रूप में जाने जाने वाले मुइज़्ज़ू ने कहा कि उनका मानना है कि मालदीव के अधिकांश लोग उनके प्रशासन का समर्थन करते हैं। उम्मीद है कि वे देश से विदेशी सैन्य उपस्थिति हटा देंगे।

हिंद महासागर द्वीपसमूह में तैनात लगभग 80 सैनिकों का स्थान नागरिकों द्वारा लिया जाएगा। पिछले हफ्ते, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि दोनों पक्ष मानवीय सेवा प्रदान करने वाले भारतीय विमानन प्लेटफार्मों के निरंतर संचालन को सक्षम करने के लिए पारस्परिक रूप से व्यावहारिक समाधानों के एक सेट पर सहमत हुए हैं। पिछले साल मोहम्मद मुइज्जू के मालदीव के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से माले के साथ नई दिल्ली के संबंध तनाव में हैं, उन्होंने देश की भारत प्रथम नीति को समाप्त करने का वादा किया था। मालदीव ने द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित कई मुद्दों पर भारतीय राजधानी में एक उच्च स्तरीय बैठक में बनी सहमति का हवाला देते हुए पहले कहा था कि भारतीय सैनिकों का पहला समूह 10 मार्च तक और बाकी 10 मई तक रवाना हो जाएगा।

इससे पहले आज, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने संसद में मुइज्जू के उद्घाटन भाषण का बहिष्कार किया। एक अन्य विपक्षी दल, डेमोक्रेट भी एमडीपी में शामिल हो गया, और कहा कि कैबिनेट के तीन सदस्यों को, जिन्हें संसद ने पिछले सप्ताह खारिज कर दिया था, बैठक में आमंत्रित किया गया था। मालदीव के आउटलेट सनऑनलाइन इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, संसद में बहुमत रखने वाली एमडीपी ने कहा कि मुइज्जू के संबोधन का बहिष्कार करने का उसका निर्णय संसद के सम्मान को कम करना है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति को संविधान के अनुसार वर्ष के पहले कार्यकाल के पहले सत्र में संसद को संबोधित करना आवश्यक है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नहीं जाहिर की अपनी पंसद

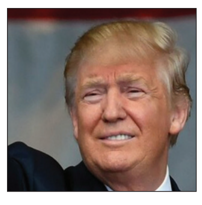

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पूछा गया कि वह उपराष्ट्रपति पद के लिए अपनी पसंद कब बताएंगे, इस पर ट्रंप ने कहा कि फिलहाल कुछ समय नहीं, लेकिन बहुत सारे अच्छे लोग है। अमेरिका में फिर रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही हो सकते हैं। आयोवा कॉकस में शानदार जीत के बाद उनकी दावेदारी और पुख्ता हुई है। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि अगर ट्रंप 2024 में राष्ट्रपति चुने जाते हैं तब उपराष्ट्रपति कौन होगा। इस बीच, पूर्व राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति पद के लिए सीनेटर टिम स्कॉट और गवर्नर क्रिस्टी नोएम का नाम लेकर अफवाहों को हवा दी है। एक इंटरव्यू में ट्रंप से पूछा गया कि वह उपराष्ट्रपति पद के लिए अपनी पसंद कब बताएंगे, इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल कुछ समय नहीं। लेकिन बहुत सारे अच्छे लोग है। ट्रंप के जवाब पर पत्रकार ने सवाल किया कि क्या अभी तक आपने एक को चुना नहीं है? इस पर ट्रंप ने कहा, मैंने अभी चुनाव नहीं किया है और इसके पीछे कोई कारण नहीं है। हालांकि, इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि वह हर किसी से बात कर रहे हैं। इस दौरान यह भी खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में स्कॉट के साथ बात की थी। बता दें, स्कॉट ने पिछले साल राष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था और फिर ट्रंप का समर्थन किया था। ट्रंप ने कहा, मैंने उसे फोन किया और कहा कि आप मेरे लिए बहुत अच्छे और बेहतर उम्मीदवार हैं, जितना आप अपने लिए थे। उन्होंने कहा, जब मैंने टिम को देखा तब वह ठीक था, वह अच्छा था, लेकिन वह बहुत कम महत्वपूर्ण था। मैंने पिछले हफ्ते उन्हें मेरा बचाव करते हुए देखा। वह मेरे लिए लड़ रहे थे।

सबसे बकवास आदमी है...बाइडेन ने नेतन्याहू को लेकर ऐसा क्यों कहा? व्हाइट हाउस ने बताया सच

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजरायल-हमास संघर्ष को लेकर दोनों नेताओं के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बकवास आदमी कहा। पोलिटिको ने अनाम स्त्रोतों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा कि जैसे ही युद्ध अपने पांचवें महीने में प्रवेश कर गया बाइडेन नेतन्याहू से सावधान हो गए और निजी तौर पर उन्हें बकवास आदमी बताते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट को खारिज करते हुए, बाइडेन के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने आउटलेट को बताया कि दोनों नेताओं के बीच दशकों पुराना रिश्ता है जो सार्वजनिक और निजी तौर पर सम्मानजनक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने ऐसा नहीं कहा, न ही वह ऐसा कहेंगे। एक क्षेत्रीय समझौते के हिस्से के रूप में फिलिस्तीनी राज्य की संभावना जिसमें इज़राइल और सऊदी अरब के बीच संबंधों को सुधारना शामिल होगा। हाल के हफ्तों में नेतन्याहू और व्हाइट हाउस के अधिकारियों के बीच तनाव पैदा कर दिया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ डेमोक्रेट, विशेष रूप से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को यह एहसास होना शुरू हो गया है कि युद्ध में इज़राइल के लिए प्रशासन का समर्थन उन्हें 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में युवा मतदाताओं के महत्वपूर्ण समर्थन से वंचित कर सकता है। इज़राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री, इतामार बेन ग्विर ने गाजा संघर्ष से निपटने के लिए बिडेन प्रशासन की आलोचना की, उन्होंने दावा किया कि इससे हमास को मदद मिली और ट्रम्प सरकार के तहत इज़राइल के लिए इससे निपटना बेहतर होता। बेन ग्विर ने रविवार को प्रकाशित वॉल स्ट्रीट जर्नल के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि हमें अपना पूरा समर्थन देने के बजाय राष्ट्रपति बाइडेन मानवीय सहायता और ईंधन देने में व्यस्त हैं, जो हमास को जाता है। अगर ट्रम्प सत्ता में होते, तो अमेरिकी आचरण पूरी तरह से अलग होता।

पिछले महीने एक अभियान कार्यक्रम के दौरान, रिपब्लिकन नेता ट्रम्प ने बाइडेन को संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में सबसे खराब राष्ट्रपति कहा था और दावा किया था कि अगर वह राष्ट्रपति होते तो रूस ने इज़राइल पर कभी हमला नहीं किया होता। बेन ग्विर की टिप्पणियों को नेतन्याहू और नेतन्याहू के तीन-सदस्यीय युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्य बेनी गैंट्ज़ ने खारिज कर दिया, उन्होंने दावा किया कि वह अमेरिका-इजरायल संबंधों को जबरदस्त नुकसान पहुंचा रहे थे।

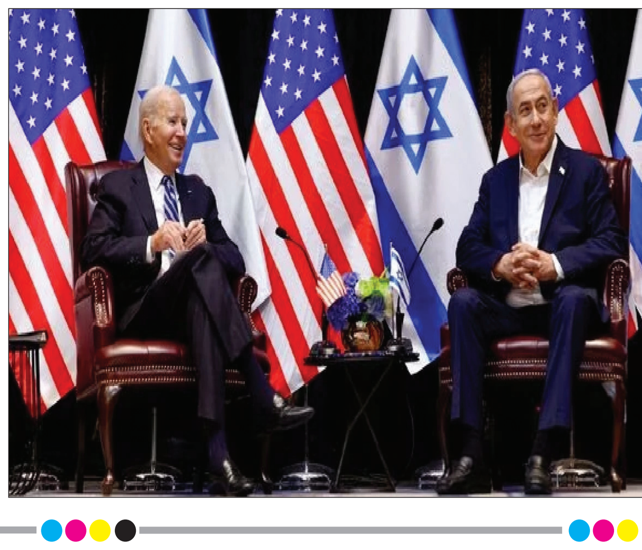

क्रांति समय
मंगलवार 06-फरवरी-2024
देश
7
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईसी ने दी हिदायत, चुनाव प्रचार में अब शामिल नहीं होंगे बच्चे

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर ईसी ने सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि अब बच्चों को चुनाव प्रचार में शामिल नहीं किया जा सकता है। यदि ऐसा हुआ तो सख्त कार्रवाई होगी। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को चुनाव आयोग ने चुनाव प्रचार में बच्चों और नाबालिग को शामिल न करने की हिदायत दी है। आयोग ने सख्य निर्देश जारी करते हुए कहा है कि आम चुनाव में प्रचार के पर्चे बांटते हुए, पोस्टर चिपकाते हुए, नारे लगाते हुए या पार्टी के झंडे बैनर लेकर चलते हुए बच्चे या नाबालिग नहीं दिखने चाहिए। चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव संबंधी कार्यों या चुनाव अभियान गतिविधियों में बच्चों को शामिल करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस गाइडलाइन में किसी भी तरीके से बच्चों का राजनीतिक अभियान में शामिल करना, जिसमें कविता पाठ करना, गीत, नारे या बच्चों के द्वारा बोले गए शब्द या फिर उनके द्वारा किसी भी राजनीतिक पार्टी या उम्मीदवार के प्रतीक चिन्हों का प्रदर्शन करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग ने कहा कि अगर कोई भी दल अपने बच्चों को शामिल करते हुए पाया गया तो बाल श्रम से संबंधित सभी अधिनियम, कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी को कार्रवाई करने के जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, किसी राजनीतिक नेता के आसपास अपने माता-पिता या अभिभावक के साथ एक बच्चे की मौजूदगी को चुनाव प्रचार गतिविधि में शामिल नहीं किया गया है और न ही इस गाइडलाइन का उल्लंघन माना जाएगा। आयोग ने बच्चों से प्रचार कराने पर पकड़े जाने पर कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को बाल श्रम द्वारा संशोधित बाल श्रम अधिनियम, 1986 का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा है।

ताजा बर्फबारी ने पहाड़ों पर बिछाई सफेद चादर, सैलानी उठा रहे आनंद

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर के डोडा ज़िले के भद्रवाह इलाके में ताज़ा बर्फ़बारी से मौसम खुशगवार हो गया है। यहां बर्फ़बारी से पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता बढ़ गई है। बर्फ़ से लदे पहाड़, पेड़, और बर्फ़ से सजी नंगी शाखाएं देश के अलग-अलग हिस्सों से आए पर्यटकों को आकर्षित कर रही थीं। हालांकि जम्मू और कश्मीर में बर्फ़बारी जनवरी से मार्च महीने के बीच होती है। यहां दूर-दूर से पर्यटक सिर्फ़ बर्फ़बारी का मजा लेने के लिए पहुंच रहे हैं। पहाड़ों में लंबे इंतजार के बाद अब स्नोफॉल हो रहा है। जिससे पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। लेकिन इससे कई सारी मुश्किलें भी पैदा ही रही है। वहीं अटल टनल में 300 पर्यटकों का रेस्क्यू भी किया गया। इस समय हाईवे पर भीड़ होने के कारण लंबा जाम लग रहा है और यात्रियों को यहां से आगे जाने के लिए लंबा इंतजार भी करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि पहाड़ों में लंबे इंतजार के बाद अब स्नोफॉल हो रहा है। पिछले माह 2024 के पूरे जनवरी में वहां बर्फ नहीं गिरी और अब वहां की सड़कें, पहाड़, पेड़, हर जगह बर्फ बर्फ नजर आ रही है। वहां के लोग इस बर्फवारी से बेहद खुश नजर आ रहे हैं। बर्फबारी शुरू होते ही सैलानी पहाड़ी इलाकों का रुख कर लेते हैं। बर्फबारी के दौरान, सैलानी स्कीइंग, स्लेजिंग, और पहाड़ पर ट्रैकिंग जैसी गतिविधियों का आनंद लेते हैं। पहाड़ी इलाकों में मौसम बदल रहा है। बर्फबारी देखने के लिए लोग लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर जा रहे हैं और स्नोफॉल का भी आनंद ले रहे हैं। हिमाचल प्रदेश का सौंदर्य बर्फ से ढके पहाड़ों, ग्लेशियरों, और झीलों से घिरा हुआ होने से और अ ?धिक गढ़ गया है।

लखनऊ जेल में 36 कैदी एचआईवी पॉजिटिव

लखनऊ। लखनऊ जिला जेल में छत्तीस कैदी जांच के बाद एचआईवी से संक्रमित पाए गए हैं, जिससे जेल में वायरल संक्रमण के कुल मामले 47 हो गए हैं। सभी एचआईवी संक्रमित मरीज लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। ताजा 36 मामलों से पहले, 11 कैदियों ने पहले एचआईवी के लिए सकारात्मक परीक्षण किया था। यह निदान दिसंबर 2023 में उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए स्वास्थ्य परीक्षणों के हिस्से के रूप में आया। कैदियों के इलाज के तहत जेल प्रशासन ने संक्रमित कैदियों की काउंसलिंग शुरू कर दी है। इन मामलों के सामने आने के बाद अधिकारी सतर्क हो गए हैं और संक्रमित लोगों के लिए आहार में बदलाव की अनुमति दी गई है। जेल के एक अधिकारी ने कहा कि संक्रमित कैदियों का आहार बढ़ा दिया गया है। साथ ही पॉजिटिव पाए गए सभी कैदियों को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। इनका केजीएमयू के एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) सेंटर में इलाज चल रहा है। लखनऊ के जेल अधीक्षक ने कहा ?कि राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के आदेश पर कैदियों की स्वास्थ्य जांच की गई।

मोदी के बैनर पर कालिख पोतने के आरोप में युकां अध्यक्ष कुणाल गिरफ्तार

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बैनर पर कालिख पोतने के आरोप में महाराष्ट्र यूथ कांग्रेस अध्यक्ष कुणाल राऊत को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कुणाल कांग्रेस नेता के साथ ही राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री नितीन राऊत के बेटे है। इस कारण गिरफ्तारी से राजनीति गरमा गई और समर्थकों ने थाने पहुंच नारेबाजी की है। गौरतलब है कि कुणाल राऊत पर नागपुर जिला परिषद कार्यालय परिसर में लगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बैनर को नुकसान पहुंचाने और कालिख पोतने का आरोप है। नागपुर के सदर थाने में इस बावत उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। रविवार रात नागपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के खिलाफ समर्थकों ने पुलिस थाने में जमकर नारेबाजी की और पुलिस कार्रवाई पर विरोध जताया है। यहां बतला दें कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का नागपुर जिला परिषद कार्यालय परिसर में एक बड़ा बैनर लगाया गया था। इस पोस्टर पर कालिख पोतने का आरोप यूथ कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष कुणाल राउत और उनके सहयोगियों पर लगाया गया था और मामला पुलिस तक पहुंचा था। नागपुर जिला परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी विपुल जाधव ने सदर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की मांग भी की थी। इसी के चलते रविवार रात कुणाल को कुही परिसर से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कुणाल पर पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति क्षति अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की है।

तेलंगाना का संक्षिप्त नाम टीएस के बदले टीजी किया गया

– कैबिनेट के फैसले के बाद केंद्र सरकार के राजपत्र में टीजी, टीएस की जगह लेगा

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने राज्य का संक्षिप्त नाम टीएस की जगह अब टीजी करने का फैसला किया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। कैबिनेट के फैसले के बाद केंद्र सरकार के राजपत्र में टीजी, टीएस की जगह लेगा। 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद तत्कालीन टीआरएस सरकार ने राज्य के संक्षिप्त नाम के रूप में टीएस चुना था। कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि पिछली सरकार ने किसी भी नियम का पालन नहीं किया और अपनी इच्छानुसार टीआरएस से तुकबंदी करते हुए टीएस रखने का फैसला किया। इस निर्णय के बाद वाहन पंजीकरण संख्या में अब उपसर्ग के रूप में टीजी होगा। चुनाव प्रचार के दौरान रेवंत रेड्डी द्वारा की गई एक घोषणा को लागू करने के लिए कैबिनेट का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा था कि टीआरएस पार्टी को खुश करने के लिए ही टीजी को टीएस से बदला गया था। कैबिनेट ने तेलंगाना लोगों की भावनाओं को प्रतिबिंबित करने के लिए तेलंगाना तल्ली प्रतिमा को बदलने का भी निर्णय लिया। इसने एंडेसरी के जय जय हो तेलंगाना को राज्यगीत के रूप में अपनाने का निर्णय लिया। सभी हितधारकों के परामर्श से एक नया राज्य प्रतीक डिजाइन करने का भी निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने 8 फरवरी से राज्य विधानसभा सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया। इसमें राज्यपाल के अभिभाषण को मंजूरी दी गई। विधानसभा में चर्चा के बाद दो और गारंटी लागू करने का भी निर्णय लिया गया। ये गारंटी हैं 500 रुपये में गैस सिलेंडर और घरों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली। कैबिनेट ने राज्य में जाति जनगणना कराने का भी फैसला किया। कोडंगल क्षेत्र विकास प्राधिकरण को अधिसूचित करना, 65 सरकारी आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों के रूप में अपग्रेड करना, उच्च न्यायालय के निर्माण के लिए 100 एकड़ भूमि का आवंटन और दोषियों को सजा में छूट देने के लिए दिशानिर्देश तैयार करना अन्य प्रमुख निर्णय थे।

ये लोकतंत्र की हत्या हुई है : सीजेआई चंदचूड़

-चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामला, वीडियो देखकर कहा कि ये क्या मजाक हो रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई डीवाई चंदचूड़ ने आज अदालत में वीडियो देखने के दौरान कहा कि क्या ये बैलेट पेपर है?... वीडियो देखकर सीजेआई नाराज हो गए और कहा कि ये लोकतंत्र का मजाक है। लोकतंक्त की हत्या हुई है।

दरअसल चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को अभिषेक मनु सिंघवी ने बहस की शुरुवात करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक पेन ड्राइव दी। वकील सिंघवी ने हाईकोर्ट के आदेश का जिक्र कर बताया कि कमिश्नर ने रिटर्निंग ऑफिसर को नियुक्त किया है। सिंघवी ने कहा कि हम 20 थे बीजेपी 16 थी। वोटिंग में 36 लोग वोट करते है। ऑफिसर ने 8 लोगों को अयोग्य करार दिया। ये सभी लोग हमारे थे। इसके बाद आंकड़ा 20 घटकर 12 हो जाता है। हाईकोर्ट ने बैलेट को सुरक्षित नहीं रखा। बल्कि 3 हफ्ते के लिए नोटिस जारी किया।

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ के समक्ष एक वीडियो दिखाया गया। यह वीडियो मतदान के समय का था। ये वीडियो उस समय का था जब वोट को अयोग्य ठहराया जा रहा था। सीजेआई ने वीडियो देखने के दौरान कहा कि क्या ये बैलेट पेपर है? वहां हिस्सा कहा है, जिसमें आप दावा कर रहे है कि ऑफिसर बैलेट पेपर ले कर चले गए। वीडियो देखकर सीजेआई नाराज हो गए और कहा कि ये लोकतंत्र का मजाक है। लोकतंक्त की हत्या हुई है। ये क्या रिटर्निंग ऑफिसर करता है। हम नहीं चाहते की देश में लोकतंत्र की हत्या हो। सीजेआई ने मामले में नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव की पवित्रता बरकरार रखने के लिए चंडीगढ़ मेयर चुनाव की डिटेल पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार के पास जमा होंगी। इतना ही नहीं सीजेआई ने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर कैमरे की तरफ क्यों देख रहा है? ये कोई भगौड़ा नहीं है।

विदेश मंत्री ने मालदीव विवाद पर कहा, दोनों ही देश इन बातों को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताना चाहते

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-मालदीव विवाद के हालिया रिश्तों पर कहा कि हममें से कोई भी इन बातों को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताना चाहता। विदेश मंत्री ने कहा कि मालदीव की एक टीम ने दो दिनों के लिए भारत का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हमारे बीच एक समझ है। एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने विभिन्न विदेश नीति के मुद्दों के बारे में बात कर बताया कि वर्तमान में भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर कहां खड़ा है। विदेश मंत्री ने मालदीव, चीन, पाकिस्तान और अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी की संभावना के संबंध में प्रमुख चिंताओं को संबोधित किया। मालदीव के साथ राजनयिक खींचतान के बारे में जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि समय के साथ, हमारे बीच कोई मुद्दा नहीं होना चाहिए। मुझे लगता है कि बाकी संबंध मजबूत हैं हमारे बीच कई अन्य चीजें हो रही हैं और मुझे उम्मीद है कि इस विशेष मुद्दे को अनावश्यक रूप से खींचने के बजाय ध्यान केंद्रित किया जाएगा। चीन के साथ राजनयिक संबंधों पर मंत्री ने कहा कि हालांकि गंभीर समस्याएं हैं और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एक अलग रुख पेश कर रहा है, वह इसके लिए खड़े हैं। मैं कहूंगा कि मैं सैन्य दृष्टि से चुनौती के लिए तैयार हो गया हूं। तथ्य यह है कि हम साल भर बहुत कठिन परिस्थितियों में इतने सारे सैनिकों को तैनात करने में सक्षम रहे हैं जो चीनी प्रतिक्रिया को रोकते हैं, वास्तव में कई मायनों में यह अपने आप में एक उपलब्धि है।

सीएम ममता के खिलाफ भाजपा ने किया अनूठा प्रर्दशन, तस्वीर को पिलाया शहद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ बीजेपी ने अनूठा प्रदर्शन किया है। जानकारी के अनुसार बीजपी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान ममता की तस्वीर को शहर पिलाकर अपना विरोध जताया है। बता दें कि राज्य में बीजेपी अक्सर ममता बनर्जी के खिलाफ जोरदार तरीके से विरोध प्रदर्शन करती रही है, लेकिन इस बार राज्य की सीएम के खिलाफ विरोध का अनूठा तरीका अपनाया है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी की पीएम मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के प्रति विरोध जताने के लिए उनकी तस्वीर को सांकेतिक रूप से शहद पिलाया, ताकि उनकी भाषा मधुर हो सके। कोलकाता में भाजपा की युवा शाखा द्वारा निकाली गई एक रैली के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे उन्हें बांग्ला भाषा की समृद्धि की याद दिलाने के लिए 19वीं सदी के विद्वान ईश्वरचंद्र विद्यासागर द्वारा लिखित एक लोकप्रिय पुस्तक 'बर्णपरिचय' की प्रतियां भी ले गए थे।

दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भाजपा के लिए आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए आरोप लगाया कि राज्य में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और अन्य लोग भी बनर्जी के बारे में अपमानजनक तरीके से बात करते हैं। सीएम ने कथित तौर पर पश्चिम बंगाल के लिए मनरेगा की बकाया धनराशि जारी करने की मांग को लेकर अपने हालिया धरने के दौरान मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था। भाजपा के युवा नेता इंद्रनील खान ने मीडिया से कहा कि सीएम ममता बनर्जी ने जिस तरह से मोदी जैसे सम्मानित नेता के बारे में बात की है, हम उसकी निंदा करते हैं। यह कार्य बंगाल की संस्कृति और हमारी विरासत के खिलाफ है।

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर क्या लगाया आरोप?

इसके बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि बनर्जी ने हमेशा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के प्रति सम्मानजनक रुख अपनाया है, लेकिन शुभेंदु अधिकारी जैसे भाजपा नेता उन्हें चोर कहते हैं और कांग्रेस जैसे अन्य गैर-भाजपा दलों के राष्ट्रीय नेताओं के बारे में भी अभद्र तथा अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। घोष ने कहा कि पहले उन्हें ऐसी अभिव्यक्तियों के लिए माफी मांगनी चाहिए।

केवल गुजराती ही ठग हो सकते बयान पर तेजस्वी यादव ने मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरातियों पर विवादित टिप्पणी कर फंसे राष्ट्रीय जनता दल के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने माफी मांग ली है। बताया जा रहा हैं कि इस संबंध में उन्होंने देश के शीर्ष न्यायालय में हलफनामा दाखिल कर दिया है। इसके पहले तेजस्वी ने मामले को गुजरात के बाहर नई दिल्ली भेजने के लिए याचिका दाखिल की थी, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया था।

तेजस्वी ने कथित तौर पर केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं टिप्पणी की थी, इस लेकर वह आपराधिक मानहानि के मामले का सामना कर रहे हैं। इसी मामले को उन्होंने विशेष रूप से दिल्ली में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने तेजस्वी की ओर से दायर माफी के ताजा बयान को भी दर्ज पर लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी को तेजस्वी को अपनी कथित टिप्पणी केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं को वापस लेते हुए एक उचित बयान दाखिल करने का निर्देश दिया था। यादव ने 19 जनवरी को शीर्ष अदालत में एक हलफनामा दायर कर अपनी कथित टिप्पणी वापस ले ली थी। खबरें हैं कि पहले दायर हलफनामे पर शिकायतकर्ता ने आपत्ति जाहिर की थी, जिसके बाद कोर्ट की ओर से तेजस्वी को एक सप्ताह के अंदर नया बयान दाखिल करने के आदेश जारी किए गए थे।

शिकायत के अनुसार, यादव ने मार्च 2023 में पटना में मीडिया से बात कर कहा था, वर्तमान स्थिति में केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं, और उनकी धोखाधड़ी माफ कर दी जाएगी। बिहार के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री ने कथित तौर पर कहा था अगर वे एलआईसी या बैंकों का पैसा लेकर भाग गए तब कौन जिम्मेदार होगा? मेहता ने दावा किया कि यादव की टिप्पणियों ने सभी गुजरातियों की मानहानि की है।

भाजपा पूरे देश में यूसीसी लागू नहीं कर सकती : रफीकुल इस्लाम

गुवाहाटी (एजेंसी)। एआईयूडीएफ के विधायक ने कहा है कि बीजेपी पूरे देश में यूसीसी लागू नहीं कर सकती है। उन्होंने बहुविवाह विधेयक पर असम के सीएम से एक सवाल भी पूछा है। दरअसल भाजपा के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता मसौदे को मंजूरी दे दी है और असम सरकार आगामी विधानसभा सत्र में बहुविवाह प्रतिबंध विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। बीजेपी शासित राज्यों के फैसलों पर एआईयूडीएफ ने कटाक्ष किया है। विधायक रफीकुल इस्लाम ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के पास पूरे देश में यूसीसी को लागू करने का साहस नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी भी जानती है कि पूरे देश में यूसीसी लागू करना लगभग असंभव है क्योंकि यहां कई धर्म, जातियां और समुदाय हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले यह भाजपा का यह कोरा दिखावा है। भाजपा भी जानती है कि देश में यूसीसी को लागू करना लगभग असंभव है क्योंकि कई धर्म, जाति और समुदाय यहां हैं। भाजपा उत्तराखंड में जो कुछ थोपना चाहती है, वह उसे पूर्वोत्तर में नहीं कर सकती है। जो उत्तर प्रदेश में लागू है उसे गोवा में लागू नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा खुद भ्रमित है और वे इसे अपने शासित राज्यों में आंशिक रूप से लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होने आगे कहा कि अगर वे पूरे देश में यूसीसी लागू करना चाहते हैं तो पहले संसद में विधेयक ला सकते थे, लेकिन वे इसे आंशिक रूप से उत्तराखंड और असम में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा यह सब करके लोगों से कहेंगे कि देखो हम यूसीसी लाने जा रहे हैं और बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाएंगे। असम विधानसभा में ऐसे कई भाजपा नेता हो सकते हैं जो बहुविवाह के शिकार हैं और बीजेपी के अंदर कुछ लोग इसका विरोध करेंगे। गौरतलब है कि कि असम विधानसभा का बजट सत्र 5 फरवरी से शुरू होगा। इस बजट सत्र में सरकार बहुविवाह प्रतिबंध विधेयक भी पेश कर सकती है।

अजित से ज्यादा पाटिल के जाने का शरद पवार को दुख, अब किया ये फैसला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कदावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की पार्टी एनसीपी में बीते साल जुलाई में बगावत हो गई थी। महाराष्ट्र की राजनीति में भीष्म पितामह कहे जाने वाले पवार को भतीजे ने ही दागा दिया। भतीजे की बगावत के पहले से ही चर्चे थे, लेकिन शरद पवार को बड़ा झटका दिलीप वलसे पाटिल के तौर पर लगा था। 7 बार के विधायक दिलीप पाटिल ने पवार की उम्मीदों को झटका देकर उनका साथ छोड़ दिया था। उनके बारे में कोई चर्चा तक नहीं थी कि वह भी अजित पवार के साथ जा सकते हैं। फिलहाल वह महाराष्ट्र सरकार में वह सहकारिता मंत्री बने हुए हैं।

अब उनके खिलाफ शरद पवार खुद बिगुल फूंकने वाले हैं। इसके तहत शरद 21 फरवरी को पाटिल के विधानसभा क्षेत्र आम्बेगांव जाने वाले हैं। पवार आम्बेगांव के मंचर में एक बड़ी रैली करने वाले हैं। बड़ी बात यह है कि इस रैली की तैयारी का जिम्मा शरद पवार ने सांसद अमोल कोल्हे को दिया है। एनसीपी में विभाजन के बाद यह पहला मौका होगा, जब पवार आम्बेगांव में रैली के लिए पहुंच रहे हैं। पवार के करीबी सूत्रों का कहना है कि वे पाटिल के भी साथ छोड़ने से बहुत आहत थे और उन्होंने ऐसा होने के बारे में सोचा भी नहीं था।

फिलहाल इस बात पर नजर है कि रैली में पवार पाटिल को लेकर क्या कहने वाले हैं। कभी पाटिल को शरद पवार के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक माना जाता था। माना जा रहा है कि इस रैली के साथ ही शरद पवार महाराष्ट्र में अपने चुनाव अभियान की भी शुरुआत कर सकते हैं।

गौरतलब है कि यहां से अजित पवार लोकसभा चुनाव के टिकट के लिए भी भाजपा से दावेदारी ठोक रहे हैं। भाजपा नेतृत्व को उन्होंने इसका प्रस्ताव रख दिया है। इसके अलावा बारामती सीट पर भी अजित पवार की नजर है।

बारामती वहीं सीट है, जहां से सुप्रिया सुले सांसद हैं। यह सीट लंबे समय से एनसीपी के पास है, लेकिन अजित गुट या फिर भाजपा के किसी उम्मीदवार से मुकाबला हुआ तब इस बार चैलेंज होगा। इसकी वजह यह है कि बारामती में अजित पवार की पकड़ रही है और वह भाजपा के साथ आ चुके हैं। फिर सुप्रिया सुले के लिए जीतना आसान नहीं होगा।

सिसोदिया को राहत... हफ्ते में एक बार बीमार पत्नी से मिल सकते हैं

नई दिल्ली। दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट से आप नेता व दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को पत्नी से मिलने की इजाजत मिल गई है। सिसोदिया कस्टडी पैरोल में पत्नी से मिल सकते हैं। उन्हें हफ्ते में एक बार मिलने की इजाजत दी गई हैं। वह डॉक्टर से भी मिल सकते हैं। बात दें कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में वर्तमान में सिसोदिया जेल में बंद हैं। सोमवार को ही सिसोदिया ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 2023 में उन्हें जमानत देने से इंकार करने के फैसले को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपनी दो उपचारात्मक याचिकाओं पर जल्द सुनवाई करने की अर्जी दी। सिसोदिया की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ को बताया कि वह (सिसोदिया) एक वर्ष से जेल में बंद हैं और उन्होंने इन उपचारात्मक याचिकाओं को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया है। इस पर सीजेआई ने कहा, मैं पहले ही याचिकाओं को सूचीबद्ध करने का निर्देश दे चुका हूं। शीर्ष अदालत ने 14 दिसंबर, 2023 को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और धन शोधन मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिकाओं को खारिज करने के 30 अक्टूबर के फैसले की समीक्षा का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी थी।

'असली शिवसेना' पर अभी भी सियासी जंग जारी, स्पीकर के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

मुंबई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट 5 फरवरी को शिवसेना के एक सदस्य (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) द्वारा दायर याचिका को सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया, जिसमें संविधान के दसवीं अनुसूची के तहत शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के विधायकों को अयोग्य ठहराने के महाराष्ट्र अध्यक्ष के इनकार को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता सुनील प्रभु की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि याचिका आज सूचीबद्ध नहीं की गई है, हालांकि इस पर आज सुनवाई होनी थी। कोर्ट ने 22 जनवरी को याचिका पर नोटिस जारी करते हुए मामले की तारीख 5 फरवरी (आज) तय की थी। इसके बाद सीजेआई चंद्रचूड़ मामले को सूचीबद्ध करने पर सहमत हुए। 22 जनवरी को भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दो सप्ताह के भीतर वापसी योग्य नोटिस जारी किया। अनुच्छेद 136 के तहत विशेष अनुमति याचिका यूबीटी सदस्य सुनील प्रभु द्वारा दायर की गई है, जिसमें महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष द्वारा पारित दिनांक 10.01.2024 के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें एक दूसरे के खिलाफ उद्धव ठाकरे समूह द्वारा दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया गया है। स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिंदे और ठाकरे दोनों समूहों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया। स्पीकर ने माना कि शिंदे समूह इस आधार पर 'असली' शिवसेना है कि जून 2022 में जब प्रतिद्वंद्वी गुट उभरे तो उनके पास विधायी बहुमत (विधायकों का बहुमत) था। स्पीकर ने शिंदे द्वारा नियुक्त व्हिप को भी आधिकारिक व्हिप के रूप में मान्यता दी। शिवसेना पार्टी की ओर से कहा गया कि शिंदे समूह के विधायकों द्वारा व्हिप का कोई उल्लंघन नहीं किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई